

के प्रवक्ता अनंत सहित 11 सदस्यों द्वारा समयपूर्व आत्मसमर्पण किए जाने के बाद माना जा रहा है कि शेष सदस्य भी जल्द ही हथियार रख सकते हैं।

इन 11 माओवादी नक्सलियों का आत्मसमर्पण और पूरी एमएमसी समिति के सामूहिक आत्मसमर्पण की घोषणा नक्सलवाद की समाप्ति की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम

9) दिनेश उर्फ सादु प्लाई साटा
10) रामको/शिला चमरू मडावी (मधु की पत्नी)
11) अर्जुन उर्फ रितु भिमा दोड्डे, प्रताप उर्फ समर

भारत और दक्षिण अफ्रीका वनडे क्रिकेट मैच को लेकर सुरक्षा के रहेंगे पुख्ता इंतजाम

नवप्रदेश, रांची: रांची के जेएससीए स्टेडियम में 30 नवंबर को होने वाले भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच को लेकर पुलिस ने सुरक्षा के कड़े और पुख्ता इंतजाम किए हैं। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल की तैनाती की गई है।

सुरक्षा के मद्देनजर धुर्वा स्थित जेएससीए स्टेडियम और उसके आसपास इलाके में 5000 जवानों की तैनाती रहेगी। इसमें एटीएस, आईआरबी, रैप, जिला पुलिस के अलावा महिला पुलिस बल भी शामिल है। इसके साथ साथ छह आईपीएस, 15 डीएसपी और 30 से ज्यादा थानेदारों की अलग से तैनाती की जा रही है। इसके साथ



ही अग्निशमन दस्ता और वाटर कैनन की टीम भी स्टेडियम के बाहर एवं भीतर तैनात रहेगी। वहीं दूसरी ओर खिलाड़ियों के ठहरने

वाले होटल रेडिशन ब्लू में भी अलग से पुलिस बल की तैनाती की गई है। लगातार वरीय अधिकारी होटल और स्टेडियम

का जायजा ले रहे है।

एसएसपी राकेश रंजन ने शनिवार को बताया कि क्रिकेट मैच में पर्याप्त संख्या में पुलिस



बल की तैनाती की गई है। पांच हजार से अधिक जवानों की तैनाती की गई है। सुरक्षा के कड़े और पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

सादे लिबास में भी पुलिस बल की तैनाती की गई है। सभी थानेदारों को लगातार पेट्रोलिंग करने का निर्देश दिया गया है।

संत माईकल 10 + 2 स्कूल मुरी में साइंस, आर्ट एवं क्राफ्ट प्रदर्शनी का आयोजन

नवप्रदेश, सिल्ली: शनिवार दिनांक 29 नवंबर 2025 को संत माईकल 10 + 2 स्कूल मुरी में साइंस , आर्ट एवं क्राफ्ट प्रदर्शनी का भव्य आयोजन किया गया । इस प्रदर्शनी में कक्षा नर्सरी से लेकर कक्षा बारहवीं तक के बच्चों ने बड़ी उत्साह के साथ भाग लिया । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में युनियन बैंक मुरी के शाखा प्रबंधक विपुल कुमार को आमंत्रित किए गए थे । इस विज्ञान प्रदर्शनी के कार्यक्रम में छात्र छात्राओं ने ए आई मॉडल , रेन वाटर हार्बिस्ट्री , तंत्रिका तंत्र , पादप कोशिका , जंतु कोशिका , नर्भस सिस्टम , हैगिंग ब्रिज , हाइड्रो इलेक्ट्रिसिटी , मानव मस्तिष्क , स्मार्ट सिटी , ब्रमोस्त्र मिसाईल , तेजस विमान आदि प्रदर्शित करते हुए अपनी प्रतिभा को साबित किया । बच्चों ने अपनी हस्तकला एवं चित्रकला का भी भव्य प्रदर्शन किया । हस्तकला में बच्चे बेकार पड़ी हुई वस्तुओं का प्रयोग



कर खूबसूरत चीजों का निर्माण किया । जैसे गुलदस्ता , गुड़िया , नाव , बंदुक आदि । इस प्रदर्शनी में छात्र , छात्राओं के हुनर को देखकर अतिथियों एवं अभिभावकों ने खूब सहराना किया । इस मौके पर स्कूल के निदेशक राकेश कुमार ने बताया कि इस तरह के प्रदर्शनी के माध्यम से बच्चों के अंदर नई सोच विकसित होती है । उनके अंदर छुपी प्रतिभा निखर कर सामने आती है और विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ता है । विद्यालय के प्राचार्य सी. एल. प्रजापति ने बताया कि इस तरह के प्रदर्शनी से बच्चों में वैज्ञानिक सोच तथा उन्नत किस्म

की हस्तकला की प्रतिभा को दर्शाओं का अवसर मिलता है । इस मौके पर विद्यालय प्रबंधक डॉ. रूप्तेश कुमार ने बताया कि विज्ञान प्रदर्शनी से बच्चों में शैक्षणिक विकास के साथ साथ बौद्धिक विकास भी होता है । बच्चों के मस्तिष्क , हृदय और हाथ का समन्वित होता है । उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी शिक्षकों एवम सभी विद्यार्थियों को धन्यवाद दिए । साथ ही मुख्य अतिथि एवम तमाम अभिभावकों का शुक्रिया अदा करते हुए भविष्य में भी उनकी उपस्थिति एवम योगदान के लिए आशा किए ।

मेडिका अस्पताल में की गई दर्जनों लोगों की निःशुल्क नेत्र जांच



नवप्रदेश, रांची: मेडिका हॉस्पिटल और मेडिका आई अस्पताल के सहयोग से शनिवार को विद्यानगर, हरमू में निःशुल्क नेत्र जांच एवं मोतियाबिंद शिविर का आयोजन किया गया। यह जानकारी हॉस्पिटल के पीआरओ पौष जैन ने दी। उन्होंने बताया कि शिविर में दर्जनों लोगों ने अपनी आंखों की जांच कराई, जिनमें 9 लोग मोतियाबिंद से ग्रसित पाए गए। इन सभी मरीजों का निःशुल्क उपचार अस्पताल में उपलब्ध कराया जाएगा।

शिविर के संचालन में आई कमिटी और स्थानीय स्वयंसेवकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। आयोजन में तकनीशियन और नर्सिंग स्टाफ ने प्रतिभागियों को निःशुल्क परामर्श और जांच सुविधा

प्रदान की गई। शिविर में आए लोगों को प्रारंभिक जांच, आंखों की स्वास्थ्य संबंधी जानकारी और मोतियाबिंद उपचार से जुड़ी जानकारी भी दी गई। उन्होंने बताया कि कैम्प का उद्देश्य जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क नेत्र स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना और नेत्र रोगों के प्रति जागरूक करना था। इस अवसर पर भगवान महावीर अस्पताल संस्थान के अध्यक्ष संतोष जैन पाटनी, सचिव पंकज सेठी, उपाध्यक्ष गोविंद सरावगी, कमल विनाइक्या, सह सचिव रोहित जैन, अमित जैन, कोषाध्यक्ष जितेन्द्र छाबड़ा, अस्पताल के टेक्नीशियन, शिवानंद प्रसाद, दुब्राज महतो नर्सिंग स्टाफ सहित अन्य मौजूद थे।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बुढ़मू मे एक और महिला का सेजिरियन से सफल ऑपरेशन किया गया

बुढ़मू : सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बुढ़मू में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ तारिक अनवर के देख रेख मे पार्वती कुमारी,पति सन्दीप कुमार खुटेर, की रहने वाली को डॉ पल्लवी सिंह (स्त्री रोग विशेषज्ञ एवं डॉ अनिल कुमार सिंह(एनेस्थेसिया)के द्वारा सिजेरियन ऑपरेशन सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। इस शल्य क्रिया में डॉ. पल्लवी सिंह(स्त्री रोग विशेषज्ञ), डॉ. अनिल कुमार सिंह (एनेस्थेस्टिस्ट) तथा संतोष सूरी फार्मासिस्ट शामिल थे। वही माता एवं शिशु दोनों पूर्ण रूप से स्वस्थ है, साथ ही इस ऑपरेशन को सफल बनाने मे स्वास्थ्य केंद्र के एंलजाबेथ डांग ए एन एम, संगीता खारखा ,एन एम शांति कच्छप,सुदालेन केरकेट्टा, मोहमद नेसार, गौरव कुमार एवं स्वास्थ्य कर्मियों का सराहनीय योगदान रहा।



यह तो आगाज है अंजाम अभी बाकी है : टीम मैनेजर



नवप्रदेश, रांची : रांची यूनिवर्सिटी के यूथ फेस्टिवल रून् - झुनू 2025-26 में स्नातकोत्तर नागपुरी विभाग के छात्रों ने लोक नृत्य प्रतियोगिता के तहत कढ़सा नृत्य में प्रथम स्थान प्राप्त कर गोल्ड मेडल हासिल किया. मौके पर नृत्य दल के सभी प्रतियोगियों को रांची विश्वविद्यालय, रांची के कुलपति प्रो धर्मेन्द्र कुमार सिंह और डीएसडब्ल्यू प्रो सुदेश कुमार साहू ने गोल्ड मेडल व प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया. बता दें कि स्नातकोत्तर नागपुरी विभाग के छात्र-छात्राओं ने कढ़सा नृत्य की शानदार प्रस्तुति से लोगों का मन

मोह लिया. इस बेहतरीन प्रदर्शन पर टीम मैनेजर डॉ बीरेन्द्र कुमार महतो और डॉ रीझू नायक ने संयुक्त रूप से कहा कि यह तो आगाज है अंजाम अभी बाकी है. उन्होंने कहा कि हमारे छात्रों की उपलब्धि ने यह साबित कर दिया कि लगन और अनुशासन से हर मंच जीता जा सकता है.

मौके पर नागपुरी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ उमेश नन्द तिवारी ने कहा कि हमारे विभाग के लिए यह अव्यंत गर्व का क्षण है कि लोक नृत्य प्रतियोगिता में आपने गोल्ड हासिल किया. उन्होंने कहा कि विभाग के छात्रों की मेहनत,

समर्पण और सांस्कृतिक जुड़ाव ने न केवल संस्था का नाम रोशन किया है, बल्कि हमारी लोक कला की प्रतिष्ठा भी बढ़ाई है.

छात्रों के इस बेहतरीन प्रदर्शन व उपलब्धि पर पूरे संकाय में खुशी की लहर है. विजयी लोक नृत्य दल में सरस्वती कुमारी, आरती लिंडा, काजल कुमारी, संगीता कुमारी, कल्पना उरांव, प्रीति लकड़ा, गुड़िया कुजूर, रजनी कुमारी, सुनीता बांडो, उषा कुमारी एवं ढांक, नगाड़ा, झांझ व शहनाई पर क्रमशः सुनील कुमार महतो, सोनू सपवार, बबलू उरांव, आशीष महतो मुख्य थे.

वृद्ध माताओं-पिताओं की सेवा ही ईश्वर सेवा : न्यायामूर्ति सुजित नारायण प्रसाद

नवप्रदेश, रांची: माननीय झालसा के निदेश पर माननीय न्यायायुक्त-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची तथा डालसा सचिव रवि कुमार भास्कर की देखरेख में आज दिनांक 29.11.2025 को ओल्ड-एज-होम, नगड़ी, रातू, हेसाग और चिरौंदी के वृद्धाश्रम में रह रहे वृद्ध माताओं-पिताओं के बीच आवश्यक सामग्रियों का वितरण किया गया। वृद्धाओं के बीच कम्बल, स्वेटर, जूता, पानी बोतल, स्टीक ड्राई फ्रूट आदि बांटे गये तथा उन्हें अटल पेंशन योजना एवं आयुष्मान कांड योजना आदि से भी जोड़ा गया। इस अवसर पर ओल्ड-एज-होम नगड़ी में माननीय न्यायामूर्ति श्री सुजित नारायण प्रसाद, न्यायाधीश झारखण्ड उच्च न्यायालय-सह-कार्यकारी अध्यक्ष, झालसा, सदस्य सचिव झालसा, कुमारी रंजना अस्थाना, उपायुक्त, रांची मंजुनाथ भर्जती, उप-सचिव झालसा, श्री अभिषेक कुमार, डालसा सचिव, रवि कुमार भास्कर, न्यायिक दंडाधिकारी, सुश्री एकता सक्सेना, पीएलवी, ठरलाद कुमार उपाध्याय, सुमन ठाकुर समेत अन्य



लोग उपस्थित थे। ज्ञात हो कि ओल्ड-एज-होम, नगड़ी में रह रहे वृद्ध माताओं-पिताओं के बीच माननीय न्यायामूर्ति श्री सुजित नारायण प्रसाद ने स्वयं अपने हाथों से वृद्धाओं के बीच आवश्यक सामग्रियों का वितरण किये और कहा कि वृद्ध माताओं-पिताओं की सेवा ही ईश्वर सेवा है। सदस्य सचिव, कुमारी रंजना अस्थाना ने भी वृद्धाओं के बीच स्टीक और कम्बल बांटे तथा कहा कि झालसा समय-समय पर इस तरह का कार्यक्रम का आयोजन करता रहा है और आगे भी करेगा। मौके पर उप-सचिव, अभिषेक कुमार व डालसा सचिव रवि कुमार भास्कर ने भी वृद्धाओं के बीच ड्राई फूड व स्वेटर बांटे तथा कहा कि वृद्धजनों

की सेवा करना धर्म है। ओल्ड-एज-होम चिरौंदी में रहनेवाले 13 वृद्धाओं के बीच ठंड में उपयोग की जाने वाली वस्तुएं वितरित की गईं। इस अवसर पर झालसा से एन. के. भारती, पीएलवी राजेंद्र महतो, सिकंदर मुंडा और संगीता देवी उपस्थित थे। ओल्ड-एज-होम, हेसाग में वृद्धाओं के बीच भी ठंड से बचने के लिए आवश्यक सामग्री वितरित की गई। इस अवसर पर एडिशनल सचिव, झालसा, दीपक साहू, डीएसडब्ल्यू से, पार्वती देवी, डॉ. अर्पना, सिरिस्टर एग्मा एकता उपस्थित थे। बताते चले कि कि यहां 26 वृद्ध माताओं के बीच स्वेटर, चप्पल तथा 7 लोगों के बीच श्रवण यंत्र तथा ड्राई फूड का वितरण किया गया।

सात गारंटी पर एक कदम आगे नहीं बढ़ी हेमंत सरकार:बाबूलाल

नवप्रदेश संवाददाता

रांची: प्रदेश भाजपा ने आज अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत हेमंत सरकार पार्ट 2 के पहली वर्षगांठ पर प्रदेश कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष एवम नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी,कार्यकारी अध्यक्ष सांसद आदित्य साहू, प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह,मुख्य सचैतक विधायक नवीन जायसवाल,प्रदेश मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक, प्रदेश मीडिया सह प्रभारी योगेंद्र प्रताप सिंह, आरोप पत्र समिति के सदस्य रविनाथ किशोर ने आरोप पत्र जारी किया। प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने आरोप पत्र समिति गठित की थी जिसमें प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री भानू प्रताप शाही,पूर्व नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी,पूर्व सांसद एवं प्रवक्ता गीता कोड़ा का भी नाम शामिल है। आरोप पत्र जारी करते हुए प्रदेश अध्यक्ष एवम नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने हेमंत सरकार पर बड़ा निशाना साधा। श्री मरांडी ने हेमंत सरकार के 6 साल को झारखंड की बवाड़ी का साल बताया।और कहा कि इंडी गठबंधन



ने विधानसभा चुनाव के समय जो सात गारंटी दी थी उसपर राज्य सरकार एक कदम भी आगे नहीं बढ़ी,बल्कि राज्य को वर्षों पीछे धकेल दिया। श्री मरांडी ने इंडी गठबंधन के सात गारंटी की एक एक कर विस्तार से चर्चा की। सभी गारंटी पर सरकार की नाकामियों को उजागर किया। उन्होंने कहा कि यह अबुआ सरकार नहीं बल्कि उगों की सरकार है जिसने युवाओं,महिलाओं,किसानों, आदिवासियों,पिछड़े,दलित,बुजुर्ग, दिव्यांग,स्कूली बच्चे सभी को ठगा है। उन्होंने आरोप पत्र के शीर्षक को सटीक बताया। यहां पुलिस वास्तव में जनता की रक्षक नहीं बल्कि लूटने वाली बन गई है।

उन्होंने 1932 खतियान आधारित नीति लाने की पहली गारंटी को बड़ा धोखा बताया। कहा कि इस नाम पर हेमंत सरकार जनता को 6 वर्षों से ठग रही। यहां की तीसरी गारंटी भी पूरी तरह फेल हो रहा बल्कि 21 सदी में भी चंगाई सभा के नाम पर अंधविश्वास को बढ़ावा और संरक्षण देने में हेमंत सरकार जुटी है। जबकि कानूनन डायन,ओझा,गुणी पर प्रतिबंध है। उन्होंने चंगाई सभा को पूरी तरह बंद करने की मांग की। दूसरी गारंटी को भी सफाई के नाम पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि आज लाखों बहनों को धोखा दिया जा रहा है।वोट लेकर नाम काट दिए गए। ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं पोटल नहीं खुलने की

संक्षिप्त खबरें

एसआईआर के खिलाफ 14 दिसंबर को दिल्ली में कांग्रेस की देशव्यापी रैली, 2 को रांची में कार्यसमिति की बैठक

नवप्रदेश, रांची: एसआईआर के नाम पर जिस तरह पूरे देश में अफरा-तफरी का माहौल मचा हुआ है 16बीएलओ की जान चली गई 6से अधिक बीएलओ तनाव में आत्महत्या करने को मजबूर हो यानी एसआईआर कोई सुधार नहीं थोपा गया जुल्म है और कांग्रेस इस जुल्म के खिलाफ आगामी 14 दिसंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में देशव्यापी रैली का आयोजन करने जा रही है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने बताया कि इस बाबत 2 दिसंबर को समय 11 बजे से प्रदेश कांग्रेस

कमेटी की कार्यसमिति की बैठक प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश की अध्यक्षता में आहूत की गई है जिसमें प्रदेश से अधिक से अधिक संख्या में पार्टी कार्यकर्ता की भागीदारी सुनिश्चित करने पर चर्चा की जाएगी की किस प्रकार सत्ता के संरक्षण में लोकतंत्र की हत्या की जा रही है अगर चुनाव आयोग की नियत साफ होती तो लिस्ट डिजिटल सर्वबल और मशीन रीडेबल होती और चुनाव आयोग 30दिनों की हड़बडी नहीं दिखाता बल्कि पारदर्शिता और जवाबदेही पर ध्यान देता।

टिकटों की काला बाजारी का भंडाफोड़ करते हुए पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है

नवप्रदेश, रांची: 30 नवंबर को होने वाले वनडे मैच के टिकटों की काला बाजारी का भंडाफोड़ करते हुए पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है, जबकि सात अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई जेएससीए स्टेडियम के पास स्थित समाग्रह रेस्टोरेंट में छापेमारी के दौरान की गई। गिरफ्तार आरोपियों में अरविंद सिंह (विधानसभा थाना क्षेत्र), प्रियंशु राज (धुर्वा बस स्टैंड के पास) और सुधीर कुमार (जेपी मार्केट, विद्यानगर)

शामिल है। इसकी जानकारी धुर्वा थाना प्रभारी विमल किंडो ने दी। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों के अलावा जिन सात लोगों पर केस दर्ज किया गया है, उनमें विशाला चिक्की, जितेंद्र जायसवाल, अमित टोबी, संतोष कुमार, ऋतिक कुमार, मनीष कुमार और सुमित कुमार शामिल है। छापेमारी के दौरान पुलिस ने उनके पास से टिकट, एक स्कूटी और अन्य सामान बरामद किया है। अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

पांच साईबर अपराधी गिरफ्तार, 10 आइफोन और 14 सिमकार्ड बरामद



नवप्रदेश, रांची: साईबर पुलिस ने गिरिडीह - गाण्डेय मार्ग से जामताड़ा जा रहे रकोपियों गाड़ी में समार पांच दगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस उपाधीक्षक (साइबरक्राइम) आदिद खा ने शनिवार को बताया कि गिरफ्तार साईबर अपराधी खरीददारी कर वापस अपने घर लौट रहे थे। गुप्त सूचना पर स्कॉपियों को रोककर कार्रवाई की गई जहां विजय मंडल, अर्जुन मंडल दोनों (करमाटाड) आदित्य राज उर्फ ओम शंकर कुमार (किशनपुर) गजेन्द्र कुमार और रवि कुमार दोनों (बरगोड़ा)

को गिरफ्तार किया गया है। बताया गया कि इस दौरान एक अन्य आरोपित निर्मल मंडल भागने में सफल रहा है। बताया गया कि इनके पास से 10 आइफोन , 14 सिमकार्ड और स्कॉपियों जब्त की गई है। पुलिस ने बताया कि पकड़े गयी सभी अपराधी झारखंड के विभिन्न इलाकों में फजी बैक अधिकारी बनकर काम करी आलाान, ई-केवाईसी अपडेट करने के नाम पर दगी करते रहे हैं। दगी के पैसे से ही वे महंगी मोबाइल - जेवर वगैरह की खरीदारी कर वापस घर लौट रहे थे।

लेबर कोड में प्रस्तावित बदलाव श्रमिकों की सुरक्षा को कर सकता है कमजोर : यूनियन

नवप्रदेश, रांची : हटिया प्रोजेक्ट वर्कर्स यूनियन के पदाधिकारी और सदस्यों ने शनिवार को धुर्वा में आयोजिक बैठक में नए लेबर कोड संशोधनो पर कड़ी आपत्ति जताई है। यूनियन ने कहा है कि लेबर कोड में प्रस्तावित बदलाव श्रमिकों की सुरक्षा, अधिकारों और संगठनात्मक स्वतंत्रता को कमजोर कर सकता है। मौके पर यूनियन के महामंत्री लीलाधर सिंह ने कहा कि श्रमिक समुदाय वर्षों से बेहतर कार्य-स्थितियों और मजबूत सामाजिक सुरक्षा की उम्मीद करता आ रहा है। लेकिन मौजूदा संशोधन इसके विपरीत दिशा में जा रहा है। उन्होंने कहा कि सुधारों का उद्देश्य श्रमिकों को मजबूत करना होना चाहिए, न

कि असुरक्षित करना होना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी भी नीति परिवर्तन से पहले श्रमिक संगठनों के साथ संवाद जरूरी है, जो इस मामले में नहीं किया गया। यूनियन ने जताा जताई कि काम के घंटों में बढ़ोतरी, सुरक्षा मानकों में ढील और यूनियन गठन की प्रक्रिया को कठिन बनाना श्रमिकों के हितों पर सीधा असर डाल सकता है। यूनियन की ओर से कहा गया कि केंद्र सरकार के सामने चार मांगें रखी इसमें लेबर कोड में सुधारों से पहले पारदर्शी संवाद स्थापित करने की बात कही गई है। साथ ही कहा गया कि सुरक्षा और वेतन प्रावधानों को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप करना बेहद जरूरी है।

एसआईआर कोई सुधार नहीं, थोपा गया जुल्म : राकेश

नवप्रदेश, रांची: प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव राकेश सिन्हा ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को सुधार नहीं, बल्कि थोपा गया जुल्म बताया है। सिन्हा ने शनिवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि एसआईआर के नाम पर जिस तरह पूरे देश में अफरा-तफरी का माहौल है। इसके चलते देश भर के 16 बीएलओ की जान चली गई छह से अधिक बीएलओ तनाव में खुदकुशी करने को

विधि हो गये। सिन्हा ने कहा कि कांग्रेस इसके खिलाफ 14 दिसंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में देशव्यापी रैली का आयोजन करेगी। उन्होंने बताया कि इसे लेकर दो दिसंबर को प्रदेश कांग्रेस कमेटी की कार्यसमिति की बैठक प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश की अध्यक्षता में आहूत की गई है। इसमें झारखंड से भारी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता की भागीदारी सुनिश्चित करने पर चर्चा होगी।

गई। 450 रुपए में गैस सिलेंडर देने के वादे को तो सरकार के मंत्री ने सिरे से नकार दिया। रोजगार और स्वास्थ्य सुरक्षा से संबंधित पांचवीं गारंटी जिसमें 10लाख नौकरी,15 लाख का स्वास्थ्य बीमा पूरी तरह झूठा साबित हुआ। बड़े समारोह में 8791 लोगों को नियुक्ति पत्र देकर सरकार ढिंढोरा पीट रही है जबकि पिछले 6 वर्षों में लगभग 30 हजार से ज्यादा कर्मचारी तो रिटायर हो चुके हैं। स्वीकृत पद से आधे कर्मचारी पदाधिकारी भी आज नियुक्त नहीं। उल्टे इस सरकार ने दो लाख से अधिक पद समाप्त कर दिए। कहा कि 2019 की उत्पाद विपदाई की वौड़ जून की गर्मी में राज्य सरकार ने कराई,19 बच्चे वौड़ते हुए मर गए।लेकिन आज तक यह सरकार बेशर्म बनी हुई है। कहा कि यह सरकार नौकरी दे नहीं रही उल्टे युवाओं को धमकी दे रही। जो भ्रष्टाचार के खिलाफ बोलेंगा उसे जेल भेजा जाएगा, केस मुलेमा उसे जेल भेजा जाएगा कैसे लड़ेगा। यह सरकार अगर बेदाग है तो फिर परीक्षाओं के भ्रष्टाचार की सीबीआई जांच कराने से क्यों भाग रही है।

राज्यों के लोक सेवा आयोगों में पारदर्शिता का संकट

डॉ सत्यवान सौरभ

विडंबना यह है कि जिन आयोगों पर निष्पक्षता को स्थापित करने की जिम्मेदारी थी, वे स्वयं वर्षों से पारदर्शिता के संकट से जूझ रहे हैं। अनेक राज्यों में पेपर लीक, भ्रष्टाचार, प्रश्नपत्र त्रुटियाँ, अस्पष्ट आरक्षण गणना और परिणामों की देरी जैसी घटनाओं ने आयोगों के प्रति जनता और युवाओं दोनों का भरोसा डगमगा दिया है। संविधान ने इन संस्थाओं को स्वतंत्र दर्जा दिया, परंतु व्यवहार में राजनीतिक दबाव, प्रशासनिक सीमाएँ और संस्थागत कमजोरियाँ इनके कार्यों को प्रभावित कर रही हैं। यही कारण है कि आयोगों की प्रक्रियाओं और संरचनाओं की गहन समीक्षा आज की सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुकी है।

सबसे बड़ी समस्या आयोगों की नियुक्तियों से शुरू होती है। अनेक राज्यों में अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्तियाँ योग्यता, अनुभव या पेशेवर पृष्ठभूमि को लेकर कोई स्पष्ट संवैधानिक मानदंड नहीं है। इसके कारण आयोगों पर पक्षपात व राजनीतिक पक्षधरता के आरोप लगते हैं। इसके विपरीत यूपीएससी नियुक्तियाँ पेशेवर, अनुभवी और विविध पृष्ठभूमि वाले वरिष्ठ अधिकारियों या शिक्षाविदों के

राज्यों के लोक सेवा आयोगों की स्थापना संविधान ने इस उद्देश्य से की थी कि राज्य प्रशासन में प्रतिभा, ईमानदारी और योग्यता को प्राथमिकता मिले। विडंबना यह है कि जिन आयोगों पर निष्पक्षता को स्थापित करने की जिम्मेदारी थी, वे स्वयं वर्षों से पारदर्शिता के संकट से जूझ रहे हैं। अनेक राज्यों में पेपर लीक, भ्रष्टाचार, प्रश्नपत्र त्रुटियाँ, अस्पष्ट आरक्षण गणना और परिणामों की देरी जैसी घटनाओं ने आयोगों के प्रति जनता और युवाओं दोनों का भरोसा डगमगा दिया है। संविधान ने इन संस्थाओं को स्वतंत्र दर्जा दिया, परंतु व्यवहार में राजनीतिक दबाव, प्रशासनिक सीमाएँ और संस्थागत कमजोरियाँ इनके कार्यों को प्रभावित कर रही हैं। यही कारण है कि आयोगों की प्रक्रियाओं और संरचनाओं की गहन समीक्षा आज की सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुकी है।

सबसे बड़ी समस्या आयोगों की नियुक्तियों से शुरू होती है। अनेक राज्यों में अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्तियाँ योग्यता, अनुभव और विशेषज्ञता के बजाय राजनीतिक समीकरणों को ध्यान में रखकर की जाती हैं। सदस्य बनने के लिए आवश्यक योग्यता, आयु, अनुभव या पेशेवर पृष्ठभूमि को लेकर कोई स्पष्ट संवैधानिक मानदंड नहीं है। इसके कारण आयोगों पर पक्षपात व राजनीतिक पक्षधरता के आरोप लगते हैं। इसके विपरीत यूपीएससी नियुक्तियाँ पेशेवर, अनुभवी और विविध पृष्ठभूमि वाले वरिष्ठ अधिकारियों या शिक्षाविदों के



हाथों में रहती हैं, जो उसकी विश्वसनीयता को मजबूत करती हैं। राज्यों में मानव संसाधन नियोजन भी कमजोर कड़ी है। कई बार वर्षों तक अध्याचन नहीं भेजा जाता, पद रिक्त पड़े रहते हैं, आर्थिक कारणों से भर्ती रोक दी जाती है या अधिसूचनाएँ अचानक जारी होकर फिर रद्द हो जाती हैं। यह अनियमितता पूरे चयन चक्र को बाधित कर देती है। इसके विपरीत केंद्र में 1985 में स्थापित कार्मिक मंत्रालय अध्याचन, सेवा शर्तें और भर्ती चक्र को व्यवस्थित रखता है। राज्यों में ऐसा कोई समर्पित ढाँचा न होने के कारण लोक सेवा आयोगों की कार्यक्षमता प्रभावित होती है। अवसरचना की कमी भी आयोगों के लिए गंभीर समस्या है। कई राज्यों में सुरक्षित प्रश्नपत्र भंडारण केंद्र, एन्क्रिप्टेड डिजिटल सिस्टम,

केंद्रीयकृत परीक्षा केंद्र, आधुनिक स्कैनिंग व्यवस्था और डेटा सुरक्षा तंत्र तक उपलब्ध नहीं हैं। इस कारण पेपर लीक, ओएमआर गुम होने, मूल्यांकन संबंधी त्रुटियों और तकनीकी विफलताओं जैसी घटनाएँ सामान्य बन गई हैं। उम्मीदवारों में भय व असंतोष का माहौल इसी अव्यवस्था से पैदा होता है। प्रश्नपत्र निर्माण और अनुवाद में त्रुटियाँ व्यापक विवादों को जन्म देती हैं। राज्य आयोग अक्सर स्थानीय शिक्षाविदों के सीमित पैल पर निर्भर रहते हैं, जिससे प्रश्नपत्र का स्तर, विविधता और सटीकता प्रभावित होती है। कई बार अनुवाद में तथ्यात्मक त्रुटियाँ या अस्पष्टता रहती है, जिससे प्रश्नपत्र रद्द करने तक की नौबत आ जाती है। राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञों की भागीदारी न होना आयोगों की गुणवत्ता को

सीमित रखता है। मूल्यांकन प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी भी आयोगों की आलोचना का कारण है। कई राज्यों में उत्तर पुस्तिकाओं का डिजिटल मूल्यांकन नहीं होता। अलग-अलग मूल्यांकनकर्ताओं के बीच समरूपता नहीं रहती, मॉडरेशन असमान होता है और अंकों का निर्धारण स्थिर मानकों पर आधारित नहीं होता। इसके कारण चयन सूची और कट-ऑफ बार-बार विवादों में घिर जाती है, जिससे मामले अदालत तक पहुँचते हैं और भर्ती वर्षों तक लंबित रहती है।

आरक्षण गणना की जटिलता भी बड़ी चुनौती है। राज्यों में क्षेत्रीय कोटा, क्षैतिज व ऊर्ध्वाधर आरक्षण, क्वैलांग, भूतपूर्व सैनिक, महिला आरक्षण आदि कई स्तर होते हैं। मैनुअल गणना में त्रुटियों की संभावना बहुत अधिक

रहती है। छोटी-सी गलती भी पूरी चयन प्रक्रिया को संदिग्ध बना देती है, और कानूनी विवादों के कारण परिणाम अटक जाते हैं। राज्यों के आयोग परीक्षा कैलेंडर का पालन नहीं कर पाते। कुछ राज्यों में पाँच-पाँच वर्षों तक मुख्य परीक्षा आयोजित नहीं होती। तिथियों का बार-बार बदलना, परिणामों में अत्यधिक देरी और साक्षात्कार प्रक्रिया का अनिश्चित होना न केवल उम्मीदवारों के करियर को प्रभावित करता है, बल्कि आयु सीमा बढ़ने और मानसिक तनाव जैसी समस्याएँ भी पैदा करता है। इस तरह की अविश्वसनीयता आयोगों की साख पर गहरा प्रश्नचिह्न लगाती है। इन समस्याओं के समाधान के लिए व्यापक और दूरगामी सुधारों की आवश्यकता है। सबसे पहले आयोगों के सदस्यों की नियुक्ति में योग्यता-आधारित मानक अनिवार्य किए जाने चाहिए। न्यूनतम आयु, अधिकतम आयु, शैक्षणिक योग्यता, प्रशासनिक अनुभव और पेशेवर पृष्ठभूमि स्पष्ट रूप से निर्धारित हों। यह परिवर्तन संवैधानिक संशोधन के माध्यम से लागू किया जा सकता है। दूसरे, राज्यों में एक पृथक कार्मिक मंत्रालय की स्थापना की जानी चाहिए, जो मानव संसाधन योजना, अध्याचन प्रबंधन और भर्ती कैलेंडर को नियंत्रित कर सके। इससे आयोगों को नियमित परीक्षा कार्यक्रम बनाए रखने में मदद मिलेगी। यह व्यवस्था वडरउ की तरह स्थिरता और विश्वसनीयता पैदा करेगी। तीसरे, आयोगों की परीक्षा प्रक्रिया का संपूर्ण

डिजिटलीकरण आवश्यक है। प्रश्नपत्र निर्माण, भंडारण, एन्क्रिप्शन, सीलिंग, डिजिटल मूल्यांकन, ओएमआर स्कैनिंग और परिणाम निर्माण—” तकनीक द्वारा सुरक्षित किया जाना चाहिए। इससे पेपर लीक की संभावना कम होगी और मानव त्रुटियाँ भी नियंत्रित होंगी। चौथे, पाठ्यक्रम का नियमित आधुनिकीकरण किया जाए। हर तीन वर्ष में विशेषज्ञ समिति द्वारा पाठ्यक्रम की समीक्षा अनिवार्य हो। आधुनिक प्रशासन, विज्ञान-तकनीक, समसामयिक चुनौतियाँ और नई नीतियाँ पाठ्यक्रम का हिस्सा बनें, ताकि चर्चनित अधिकारी वर्तमान युग के अनुरूप दक्ष हों।

पाँचवें, प्रश्नपत्र निर्माण में राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञों को शामिल किया जाए। अन्य राज्यों के विशेषज्ञ, केंद्रीय विश्वविद्यालयों के प्रोफेसर और विषय विशेषज्ञों की भागीदारी से प्रश्नपत्रों की गुणवत्ता, संतुलन और विश्वसनीयता बढ़ेगी। अनुवाद में भी प्रमाणित विशेषज्ञों का उपयोग किया जाए ताकि त्रुटियाँ न्यूनतम हों।

छठे, मूल्यांकन प्रक्रिया को पारदर्शी और वैज्ञानिक बनाना होगा। डिजिटल मूल्यांकन, दो-स्टरीय मॉडरेशन, यूनिकोर्म स्कोरिंग गाइडलाइन और अस्पष्ट अंकों पर स्वतः समीक्षा जैसे उपाय निष्पक्षता को सुनिश्चित करेंगे। मूल्यांकनकर्ताओं को नियमित प्रशिक्षण भी दिया जाना चाहिए। सातवें, आरक्षण गणना के लिए स्वचालित डिजिटल सॉफ्टवेयर

बनाए जाएँ जिनमें निर्धारित एल्गोरिथ्म त्रुटिरहित गणना करें। इससे विवादों में भारी कमी आएगी। आठवें, राज्य भर में ह्र्भर्ती कैलेंडर अधिनियमह्द लागू होना चाहिए जिसमें प्रारम्भिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा, साक्षात्कार और पुरिणाम की अधिकतम समयसीमा निर्धारित हो। आयोग को वार्षिक रिपोर्ट भी प्रकाशित करनी चाहिए ताकि जनता को जवाबदेही स्पष्ट हो। नौवें, आयोग के सचिव का पद ऐसे वरिष्ठ अधिकारी को दिया जाए जिनके पास शैक्षणिक प्रशासन या परीक्षा प्रबंधन का गहन अनुभगम हो। इससे परीक्षा लॉजिस्टिक्स, गोपनीयता, सुरक्षा और मूल्यांकन व्यवस्था अधिक पेशेवर होगी।

अंत में, उम्मीदवारों की शिकायतों के समाधान के लिए स्वतंत्र डिजिटल ग्रेविएस पोर्टल बनाया जाए, जिससे उम्मीदवार पारदर्शी तरीके से अपनी समस्या दर्ज कर सकें, स्थिति देख सकें और समयसीमा में समाधान प्राप्त कर सकें। समाधान में कहा जा सकता है कि राज्य लोक सेवा आयोगों की मजबूती भारत की प्रशासनिक गुणवत्ता का आधार है। यदि आयोग पारदर्शी, तकनीक-समर्थ, राजनीतिक हस्तक्षेप से मुक्त और योग्यता-आधारित ढाँचे पर काम करें तो न केवल युवाओं का विश्वास लौटाना बल्कि राज्य प्रशासन में दक्ष, ईमानदार और संवेदनशील अधिकारी भी मिलेंगे। सुधारों के बिना आयोगों की साख और देश के भविष्य दोनों पर प्रश्नचिह्न बने रहेंगे।

यूएन क्यों नहीं चाहता जम्मू-कश्मीर की बदलती तस्वीर देखना ?

संयुक्त राष्ट्र के कुछ विशेषज्ञों द्वारा हाल ही में भारत पर लगाए गए मानवाधिकार उल्लंघन के आरोप एक बार फिर यह सोचने पर मजबूर करते हैं कि आखिर यूएन किस चश्मे से भारत को देखता है। कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल 2025 को हुआ क्रूर आतंकवादी हमला, जिसमें 26 निर्दोष लोग मारे गए, किसी भी राष्ट्र के लिए सिर्फ सुरक्षा चुनौती नहीं माना जा सकता है, वह राष्ट्रीय अस्मिता पर सीधा प्रहार था। हमले की औपचारिक तदन करने के बाद यूएन विशेषज्ञ जिस तेजी से भारत सरकार की प्रतिक्रियात्मक कार्रवाई को कटपरे में खड़ा करने में लगे दिखते हैं, वह आज इस तथ्य को उजागर करता है कि युनाइटेड नेशन की नजरें जमीन पर घट रही वास्तविकताओं से अधिक एक पूर्वनिश्चित नैरेटिव पर टिकी हुई हैं। सवाल यह है कि क्या किसी भी संग्रभु राष्ट्र को अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का अधिकार नहीं? क्या कोई देश आतंकी वारदात के बाद हाथ पर हाथ धरे बैठा रह सकता है? आतंकवाद कोई वैचारिक बहस का विषय नहीं है, यह एक हिंसक अपराध है, जिसका



उद्देश्य समाज और शासन को अस्थिर करना होता है, इसलिए भारत द्वारा 2800 सदस्यों को पुछताछ या कानूनी कार्रवाई के लिए हिरासत में लेना न तो असामान्य है और न ही अव्यवहारिक। पर यूएन ने इसे मनमानी गिरफ्तारी, यातना, भेदभाव और सामूहिक दंड का रूप देने में जरा भी संकोच नहीं किया है। यह वह अतिशयोक्ति है जो अक्सर राजनीतिक प्रेरणाओं से संचालित रिपोर्टों में दिखाई देती है। जबकि कश्मीर का सच इससे बिल्कुल

उलट है। कहना होगा कि 2019 के बाद घाटी जिस विकास पथ पर आगे बढ़ रही है, वह कई दशकों की उछराव वाली नीतियों से बिल्कुल भिन्न है। पर्यटन में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हुई है, युवा उद्यमों और सरकारी योजनाओं के माध्यम से रोजगार पा रहे हैं। स्वास्थ्य, सड़क, बिजली और शिक्षा के क्षेत्र में ऐसे परिवर्तन दिख रहे हैं जो कश्मीर को नई आर्थिक पहचान देते हैं। देश भर से निवेशक कश्मीर को संभावनाओं की भूमि के रूप में देखने लगे हैं।

स्थानीय लोग पहली बार महसूस कर रहे हैं कि उनके पास वह आगार अवसर हैं जो कभी चुनिंदा हाथों तक सीमित रहते थे। इसके बावजूद भी देखिए, यूएन की आई इस हालिया आधार के किसी भवन को ध्वस्त नहीं करता। किंतु कश्मीर का मामला होने के कारण हर प्रशासनिक कार्रवाई को उत्पीड़न की संज्ञा दे देना इस अंतरराष्ट्रीय संस्था को सबसे आसान नजर आता है। आज यूएन ने जिस तरह मुसलमानों के खिलाफ हिंसा और भेदभाव का मुद्दा उठाया है, वह एक और अतिशयोक्ति का उदाहरण है। कोई ये न भूले कि भारत में 20 करोड़ से अधिक मुसलमान रहते हैं और वे राजनीति, न्यायपालिका, सेना, प्रशासन, कला और शिक्षा हर क्षेत्र में समान अधिकारों के साथ अग्रणी भूमिका निभाते हैं। यदि कहीं कोई स्थानीय अपराध या दंगा होता है तो उसे पूरे देश की सामुदायिक संरचना पर आरोप के रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास गलत और विषाजनकरी है। भारत का संविधान हर नागरिक को समान अधिकार देता है और उसकी लोकतांत्रिक संस्थाएँ किसी भी भेदभाव को सहन नहीं करतीं। यूएन

लिया गया कि इनमें से अधिकांश मामले अवैध कर्जों, अवैध निर्माणों और न्यायिक प्रक्रिया के तहत आने वाली कार्रवाई से संबंधित होते हैं। भारत में कोई भी राज्य बिना कानूनी आधार के किसी भवन को ध्वस्त नहीं करता। किंतु कश्मीर का मामला होने के कारण हर प्रशासनिक कार्रवाई को उत्पीड़न की संज्ञा दे देना इस अंतरराष्ट्रीय संस्था को सबसे आसान नजर आता है। आज यूएन ने जिस तरह मुसलमानों के खिलाफ हिंसा और भेदभाव का मुद्दा उठाया है, वह एक और अतिशयोक्ति का उदाहरण है। कोई ये न भूले कि भारत में 20 करोड़ से अधिक मुसलमान रहते हैं और वे राजनीति, न्यायपालिका, सेना, प्रशासन, कला और शिक्षा हर क्षेत्र में समान अधिकारों के साथ अग्रणी भूमिका निभाते हैं। यदि कहीं कोई स्थानीय अपराध या दंगा होता है तो उसे पूरे देश की सामुदायिक संरचना पर आरोप के रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास गलत और विषाजनकरी है। भारत का संविधान हर नागरिक को समान अधिकार देता है और उसकी लोकतांत्रिक संस्थाएँ किसी भी भेदभाव को सहन नहीं करतीं। यूएन

विशेषज्ञों ने कश्मीरी छात्रों की गिराफती पर भी सवाल उठाया है। यह तथ्य नजरअंदाज किया गया कि कई बार आतंकी संगठन छात्रों की पहचान का उपयोग ढाल की तरह करते हुए यहां लगातार पाए जा रहे हैं। हाल ही में दिल्ली कार बम ब्लास्ट की घटना हम सभी के सामने है ही, ऐसे में स्वभाविक तौर पर संवेदनशील राज्यों में सुरक्षा एजेंसियों का यह दायित्व होता है कि वे संभावित खतरों पर नजर रखें। इसे भेदभाव कहना भारत की सुरक्षा जरूरतों को न समझने और उन्हें हल्के में लेने जैसा है। यह भी समझने की जरूरत है कि कश्मीर पर रिपोर्ट बनाते समय यूएन अक्सर उन्हीं स्रोतों पर निर्भर रहता है जिनका उद्देश्य भारत के खिलाफ राजनीतिक नैरेटिव मजबूत करना होता है। यह उन देशों या लोबी के प्रभाव का परिणाम है जो भारत को हमेशा विवादों में घिरा हुआ दिखाना चाहते हैं, जबकि वे संस्थाएँ यह नहीं समझतीं कि भारत अग एक ऐसा देश है जो अपनी सुरक्षा नीतियाँ स्वतंत्र रूप से तय करने के साथ ही अपने लोकतांत्रिक ढांचे के भीतर नागरिक अधिकारों और राष्ट्रीय हित में संतुलन भी स्थापित करता है।

नक्सलवाद पर नियंत्रण: एक दशक की दो नीतियाँ और दो बिल्कुल अलग परिणाम



गोविंदा मिश्रा, पत्रकार और राजनीतिक विश्लेषक

भारत के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों की कहानी केवल बंदूक और हिंसा की कहानी नहीं है, बल्कि यह विकास, शासन और राजनीतिक इच्छाशक्ति की परीक्षा भी है। देश के जिन हिस्सों को दशकों से उपेक्षा का सामना करना पड़ा, वही क्षेत्र नक्सलवाद की सबसे उपजाऊ जमीन बने। दो अलग-अलग राजनीतिक अवधियों—UPA (2004-2014) और NDA (2014-वर्तमान)—ने इन क्षेत्रों के लिए दो बिल्कुल भिन्न दृष्टिकोण अपनाए। दोनों की नीतियों और परिणामों की तुलना करने पर यह साफ दिखता है कि विकास और सुरक्षा की दिशा किस तरह बदलने पर संकट कम होता है या बढ़ता है।

UPA कालः योजनाओं और जमीन की हकीकत में गहरी खाई जब UPA सत्ता में आई, तब नक्सल हिंसा पहले से ही कई राज्यों में सक्रिय थी। लेकिन इस दस वर्ष के काल में नक्सल प्रभाव जितनी तेजी से बढ़ा, वह नीति की कमजोरी को स्पष्ट करता है।

1. विकास के नाम पर घोषणाएँ, क्रियान्वयन लगभग ठप

UPA शासन में नक्सल प्रभावित जिलों के लिए कई योजनाएँ बनाई गई—सड़कें, पुल, स्कूल,



स्वास्थ्य केंद्र, पेयजल, बिजली। लेकिन वास्तविकता यह रही कि: ठेकेदार सुरक्षा के डर से काम नहीं करते थे, प्रशासन कई जगहों पर पहुँच भी नहीं पाता था, योजनाएँ कागजों पर पूरी दिखती थीं, जमीन पर नहीं, इन क्षेत्रों में विकास जितना धीमा हुआ, नक्सलवाद उतना ही मजबूत हुआ।

2. सुरक्षा रणनीति में भ्रम और कमजोरी

ऑपरेशन ग्रीन हंट की शुरुआत जरूर हुई, लेकिन कई एजेंसियों में तालमेल नहीं था, खुफिया तंत्र पर्याप्त नहीं था, जमीनी बलों तक संसाधन नहीं पहुँचते थे। दत्तेवाड़ा जैसे हमलों ने यह साबित कर दिया कि सुरक्षा मॉडल पूरी तरह मजबूत नहीं था,

3. शिक्षा और स्वास्थ्य ढहने की कगार पर नक्सल क्षेत्रों में सामाजिक सेवाएँ लगभग समाप्त हो गईं। स्कूल भवनों को सुरक्षा कैंप बनाया गया बच्चों की पढ़ाई कई वर्षों तक बाधित रही, स्वास्थ्य केंद्र बंद पड़े रहे, ASHA वर्कर और डॉक्टर गाँवों में जाने से डरते थे यह सबसे बड़ा झटका उन आदिवासी और ग्रामीण समुदायों के लिए था, जिन्हें विकास की सबसे अधिक आवश्यकता थी।

4. PESA का न लागू होना और जनशिक्षा का टूटना ढरअर कानून आदिवासियों को अधिकार देता है, लेकिन UPA कार्यकाल में: नियम नहीं बने, बने तो लागू नहीं हुए, ग्राम सभाओं की भूमिका नगण्य रही, इसका फायदा नक्सलियों ने उठाया और वे खुद को लोगों की आवाज बताकर उभरे।

में दिखने लगा।

1. सुरक्षा तंत्र का व्यापक पुनर्गठन NDA सरकार ने सुरक्षा को आधुनिक ढाँचे में बदलने पर जोर दिया: नए कैंप और फोर्टिफाइड पुलिस स्टेशन, हेलिपैड, बुलेटप्रूफ वाहन और आधुनिक हथियार, बेहतर खुफिया व्यवस्था, राज्यों और केंद्र के बीच संयुक्त ऑपरेशन, सुरक्षा बढ़ने से विकास कार्य वर्षों बाद दुर्गम जंगलों तक पहुँच पाए।

2. वास्तविक विकास का प्रवेश नक्सल क्षेत्रों में पहली बार बड़े पैमाने पर विकास के प्रमाण दिखाई दिए: हजारों किलोमीटर सड़कें, मोबाइल नेटवर्क और इंटरनेट, बैंकिंग और अच्छ सेवाओं का विस्तार, EMRS स्कूल और आवासीय शिक्षा, स्वास्थ्य केंद्रों का पुनर्निर्माण, जल और बिजली परियोजनाएँ, इन कार्यों ने जनता में यह भावना पैदा की कि सरकार केवल बयान नहीं, बल्कि जमीन पर मौजूद है।

3. आत्मसमर्पण और पुनर्वास नीति की सफलता सरकार ने नक्सलियों को हथियार छोड़ने के लिए आकर्षक पुनर्वास पैकेज दिया: नकद सहायता, रोजगार के अवसर, कौशल प्रशिक्षण, मकान और शिक्षा सुविधा, हजारों नक्सलियों ने इसका लाभ लेकर मुख्यधारा अपनाई।

4. नक्सल हिंसा में भारी कमी केंद्र सरकार के आंकड़ों के अनुसार: हिंसा लगभग 80% तक कम हुई, सबसे प्रभावित

जिलों की संख्या घटकर एक-तिहाई हो गई,कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों को नक्सल-मुक्त घोषित किया गया, यह पहली बार हुआ कि नक्सलवाद लगातार पीछे धकेला गया।

जनता का दृष्टिकोण: उम्मीद की वापसी जहाँ पहले गाँव के लोग नक्सलियों को मजबूरी में सहयोग देते थे, वहीं अब: युवा रोजगार और शिक्षा चाहते हैं, पंचायतें सक्रिय हो रही हैं, महिलाएँ स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ उठा रही हैं, गाँवों में पुलिस और प्रशासन के प्रति भरोसा बढ़ा है,नक्सलवाद का वैचारिक प्रभाव भी तेजी से कम हुआ है।

निष्कर्षः दो नीतियों की कहानी, दो बिलकुल अलग नतीजे UPA के दस वर्षों में विकास ठप रहा, सुरक्षा कमजोर रही और नक्सलवाद फैला। NDA के दस वर्षों में सुरक्षा मजबूत हुई, विकास जमीन तक पहुँचा और नक्सल प्रभाव ऐतिहासिक रूप से घटा।

नक्सली हिंसा के घटने का संदेश साफ है, जहाँ सरकार का स्थायी और विश्वसनीय विकास पहुँचता है, वहाँ नक्सलवाद टिक नहीं सकता।

अब जबकि अधिकांश इलाके नक्सलवाद से बाहर आ रहे हैं, आगे की चुनौती स्थायी विकास, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और आदिवासी अधिकारों की सुदृढ़ सुरक्षा सुनिश्चित करना है। यही वह रास्ता है जो इन क्षेत्रों को स्थायी शांति की ओर ले जाएगा।

सोशल मीडिया और शब्द अनुशासन की जरूरत

सोशल मीडिया पुराकथाओं जैसा हीरो बन गया है। यह दोधारी तलवार है। जानकारियों का सोत है। भौतिक जीवन के प्रचंड सोशल मीडिया के माध्यम से आमजन तक पहुँचते हैं। उन्हें जरूरी या गैर जरूरी मानना व्यक्तिगत पसंद की बात हो सकती है। कुल मिलाकर सोशल मीडिया अनिवार्य बुराई के रूप में लिया जा रहा है। सोशल मीडिया में मनोरंजन है। ज्ञान है। पुस्तकें हैं। गीत संगीत भी हैं। जीवन को सुखमय बनाने वाले तमाम तत्त्व सोशल मीडिया का अंग है। इसकी लोकप्रियता का अंदाज़ इसी बात से लगाया जा सकता है कि जब सोशल मीडिया नहीं था तब मोबाइल फोन इस्तेमाल करने वालों की संख्या बहुत कम थी। घर में बहुधा एक या दो फोन होते थे, लेकिन अब परिवार के सभी सदस्यों के पास अपना-अपना मोबाइल है। मोबाइल केवल दूरभाष वार्ता का काम नहीं देता। यह चलता-फिरता टीवी है। बहुत सुंदर मोटोकुल है। ज्ञात विश्व के सभी अनुशासनों का जीवन तंत्र है। यह चलता-फिरता ज्ञान सोशल मीडिया का भाग है। इसका एक बड़ा हिस्सा मनुष्य जीवन को क्षति पहुँचा रहा है। छोटे-छोटे बच्चे मोबाइल से चिपके रहते हैं। इस नुकसान को लेकर अनेक शोध हुए हैं। मैंने निजी जीवन में देखा है कि एक ही परिवार के सात सदस्यों के पास अलग-अलग मोबाइल हैं। किसी के पास दो या तीन मोबाइल भी हैं। मैं ऐसे ही एक मित्र के घर में मेहमान था। मैंने उनको बताया कि वाय में शक्कर नहीं रहेगी। उन्होंने हमारे पास बैठ-बैठ अपनी पत्नी को फोन मिलाया। हमने मुझ चाय कहा बन रही है। उन्होंने कहा पीछे कमरे में। मैंने कहा आप जाकर भी बता सकते थे। उन्होंने कहा फोन है, तो क्यों जाएं? सोशल मीडिया से प्रसारित झूठी सूचनाएं समाज को क्षति पहुँचती हैं। दंगे-अशांति भी हो जाते हैं। सोशल मीडिया से पुलिस और प्रशासन को सुविधा हो रही है। वहीं अपराधी भी इसी के दुरुपयोग से बड़ी घटनाएँ करके निकल जाते हैं। सोशल मीडिया में अराजकता है। कोई अपना नंगा चित्र पोस्ट करता है। कोई अश्लील वेट करता है। कोई देवी-देवताओं पर अपनी भड़ास निकालता है। सुप्रीम कोर्ट ने इस अराजकता के विरुद्ध केन्द्र से कहा है कि कोई नियामक संस्था बनाई जाए। सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को चार सप्ताह का समय दिया है। इस सूचना से लोगों को राहत मिली है। लेकिन यह आसान नहीं है।

भारतीय संस्कृति के पक्षधर तो सोशल मीडिया के नियमन की खबर से खुश हैं, लेकिन वामपंथी ऐसे किसी संस्था या नियामक आयोग जैसी संस्था का विरोध करेंगे। हम ऑस्ट्रेलिया से सीख सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया की संसद ने 16 साल से कम उम्र के बच्चों को सोशल मीडिया से दूर रखने वाले कानून पर 1 साल पहले सम्यक विचार किया था। अधिनियम पारित किया था। अगले महीने से कानून प्रभावी होने जा रहा है। भारत में अधिकांश परिवारों के बच्चे पूरी रात मोबाइल से चिपके रहते हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने उचित समय पर अपना निर्देश दिया है। सोशल मीडिया और नियमितकरण पर टोस विचार समय की मांग है। भारतीय संविधान में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता महत्वपूर्ण

है। संविधान निर्माताओं ने आदर्श लोकतंत्र के लिए अभिव्यक्ति की आजादी को मौलिक अधिकार बनाया है, लेकिन यह अधिकार असीम नहीं है। संविधान के अनुच्छेद 19 में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है, लेकिन इसी अनुच्छेद के खण्ड 2 में इस अधिकार की मर्यादों भी बताई गई हैं। इसमें कहा गया है कि भारत की संभ्रता, अखण्डता, सुरक्षा, दुनिया के अन्य देशों के साथ मैत्रीपूर्ण सम्बंध, लोक व्यवस्था, शिष्टाचार या सदाचार के हितों में अथवा न्यायालय अवमान के सम्बंध में विधमान किसी भी विधि के प्रवर्तन पर फर्क नहीं पड़ेगा। यह सुविधित है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को दुरुपयोग हो रहा है। भारत प्राचीन राष्ट्र है। भारत के लोगों के परिश्रम से राष्ट्र का सतत विकास हो रहा है। नरेंद्र मोदी की सरकार ने साल 2047 तक भारत को आत्मनिर्भर बनाने की घोषणा की है। सरकार अपना काम कर रही है। समाज भी अपना काम करे। देश के सभी नागरिकों से भाषा संयम की अपेक्षा अपेक्षा तो कर ही सकते हैं। निःसंदेह विचार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का स्वागत होना चाहिए। लेकिन अभिव्यक्ति में सुदरता चाहिए। वाय संयम चाहिए। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता आदर्शगीय है लेकिन इसके साथ ही संयम में रहने की भी आवश्यकता है। यह अस्तिव सुंदर है। हमारे होने का सोत और आधार यही संसार है। अस्तिव प्रतिपल व्यक्त हो रहा है। प्रकृति में फूलों का खिलना, शिशुओं का हंस्पा, सूर्य का आगम-जाना, रात और दिन की गति अभिव्यक्ति की आजादी का हिस्सा है। गीता में श्री कृष्ण ने अर्जुन को बताया कि, ह्रस्पासर का जितना व्यक्त भाग है, उतना ही अत्यक्त भी है। व्यक्त अत्यक्त होता रहता है और अत्यक्त से व्यक्त ङ्ह इसीलिए मनुष्य को व्यक्ति कहते हैं। प्रकृति की सारी शक्तियां अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का आनंद उठाती प्रतीत होती हैं। इसीलिए प्रकृति की कोई भी शक्ति नियम नहीं तोड़ती। सूरज निर्धारित समय पर उदित होते हैं। निर्धारित समय पर अस्त होते हैं। चन्द्रमा भी नियम नहीं तोड़ता। पूर्णमासी से अमावस्या तक सारी गति नियमित है। हम मनुष्यों को भी जीवन का आनंद लेते हुए अपना कर्तव्य पालन करते रहना चाहिए। वाय स्वातंत्र्य का अधिकार बड़ा है। शब्द सत्ता बड़ी है-शब्द संयम में प्रीति होती है, रस होता है। शब्द दुरुपयोग में उतेजना है, भावना और आस्था पर आक्रमण हैं। विश्वविख्यात कलाकार एम्पएफ हुसैन ने सरस्वती व सीता के अश्लील चित्र बनाए थे। इसे विचार अभिव्यक्ति कहेगे या विचार अभिव्यक्ति? सोशल मीडिया में आपत्तिजनक सामग्री की आंधी है। शब्द संयम में ही सौन्दर्य प्रकट होता है और शब्द अनुशासनहीनता में अश्लीलता। सर्वोच्च न्यायालय ने साल 2005 में मौन रहने की अनु 191 (क) के अंशिन विचार अभिव्यक्ति का अधिकार बताया था। राजनीति शब्दों का ही खेल है। लेकिन राजनैतिक शब्दकोष से शालीनता के तत्व नायाब हैं। यहां आरोप-प्रत्यारोप हैं। संसद और विधानमण्डल में बोले गए शब्दों पर न्यायालय कार्यवाही नहीं कर सकते।

जीटीपीस जैसे विद्यालयों के संचालन से बेहतर होगा शहर में शिक्षा का स्तर- उपप्रमुख अश्विनी मिश्र

चंदवा के ग्लिटर त्रिवेणी पब्लिक स्कूल में हुआ छात्रावास का शुभारंभ, चुट्ट समाज के प्रतिष्ठित और गणमान्य लोग और जनप्रतिनिधि।

जीटीपीस जैसे विद्यालयों के संचालन से बेहतर होगा शहर में शिक्षा का स्तर उपप्रमुख अश्विनी मिश्र

वंचित समाज के बच्चों की अच्छी शिक्षा के हर प्रयास करेगा जीटी पीएस: कादंबरी सिंह, निदेशिका

बक्यू खान
नवप्रदेश/चंदवा के प्रतिष्ठित ग्लिटर त्रिवेणी पब्लिक स्कूल में आज विद्यागीत छात्रावास का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर पहले शहर की शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाने के विषय पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस बैठक में विद्यालय की निदेशिका कादंबरी सिंह, प्राचार्य



हिमांशु सिंह और बड़ी संख्या में प्रतिष्ठित लोग उपस्थित रहे। बैठक में सर्वप्रथम विद्यालय के प्राचार्य हिमांशु सिंह ने स्कूल के क्रियाकलापों, और भविष्य की योजनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। हिमांशु सिंह ने बताया कि कैसे आने वाले दिनों में विद्यालय में शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए प्रबंधन तेजी से प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि आने वाले कुछ

महीनों में बच्चों के लिए विद्यालय परिसर में बास्केटबॉल, लॉन टेनिस, बॉलीवॉल, क्रिकेट जैसे खेलों के प्रशिक्षण की व्यवस्थाएँ भी कर दी जाएँगी। दिसंबर महीने में आयोजित होने वाला विद्यालय का वार्षिक खेलकुद ऐतिहासिक होगा। मौके पर मौजूद बोवा अंजुमन के सेराज अंसारी ने अल्पसंख्यक समुदाय के बच्चों को अच्छी शिक्षा से जोड़ने के लिए प्रबंधन से मदद का आग्रह किया जिसपर निदेशिका

का सिंह ने सहर्ष स्वीकृति दी। सामाजिक कार्यकर्ता रवि डे ने चंदवा में विद्यालय के गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रयासों की सराहना की और कहा कि विद्यालय में आकर लगता ही नहीं की यह एक चीते करखे का विद्यालय है, यहाँ की सुविधाएँ तो शहरों के प्रतिष्ठित विद्यालयों के समकक्ष हैं। झूमो नेता दीपू सिंह ने कहा कि कम खर्च में विद्यालय द्वारा उपलब्ध करायी जा रही व्यवस्थाएँ

वाकई साधारण तबके से आने वाले बच्चों के लिए वरदान है। विद्यालय में रोबोटिक लैब, कंप्यूटर लैब, और इतना समृद्ध पुस्तकालय देखकर सुखद एहसास हुआ और लगा कि हमा यहाँ के बच्चों का शिक्षण सक्षम हाथों में है। परिचर्चा के सभी उपस्थित लोग विवालय के छात्रावास के उद्घाटन के लिए गए जहाँ चंदवा के उपप्रमुख अश्विनी मिश्रा और उपस्थित लोगों ने फीता काट कर

छात्रावास का औपचारिक उद्घाटन किया।

इसके बाद सभी लोग विद्यालय भ्रमण को गए जहां लोगों ने विद्यालय के आधारभूत संरचना की खूब प्रशंसा की। विद्यालय के इनडोर स्पोर्ट्स की सुविधाओं ने लोगों को खासा प्रभावित किया। इस अवसर पर मुख्य आतिथी के तौर पर चंदवा उपप्रमुख अश्विनी मिश्रा, सामाजिक कार्यकर्ता रवि डे, दीपू सिन्हा, पंसस चंदवा पश्चिमी नीलम देवी, सौरभ श्रीवास्तव, राजेंद्र यादव, अजय वैद्य, संजीव आजाद, चंद्रभूषण केसरी, रिक्की वर्मा, रिकु खान, सेराज अंसारी, मोो हसमुद्दीन, पंचायत समिति सदस्य दुमारो संगीता देवी पनी करण कुमार लोहरा, पंसस बोदा सुशीला टोणो, पंसस सासंग अनीता देवी, पंसस सेरक रिकी कुमारी, पत्रकार गौरव दुबे, विभूति नाथ सिंह, कमलेश कुमार, मो इरफान, रविकांत ठाकुर, देवसुंदर यादव, राजीव उराव और बड़ी संख्या में विद्यालय शिक्षक-शिक्षिकाएँ और गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

नगर पंचायत लातेहार की कड़ी कार्रवाई

25 किलो सिंगल यूज प्लास्टिक जब्त, दुकानदारों पर जुमाना



नवप्रदेश/लातेहार। नगर पंचायत लातेहार क्षेत्र में विभागीय आदेश के तहत सिंगल यूज प्लास्टिक के विरुद्ध विशेष जांच एवं छापेमारी अभियान चलाया गया। पर्यावरण संरक्षण और सरकारी निदेशों के पालन को प्राथमिकता देते हुए नगर पंचायत की टीम ने बाजार क्षेत्र, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, किराना दुकानों तथा फल-सब्जी दुकानों में सघन जांच की। अभियान के दौरान कई दुकानों में प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग पाया गया, जिसके बाद कुल 25 किलोग्राम सिंगल यूज प्लास्टिक जब्त किया गया। नियमों का उल्लंघन करने वाले दुकानदारों से 11 सौ रुपये का जुमाना भी वसूला गया। अधिकारियों ने चेतावनी देते हुए कहा कि सिंगल यूज प्लास्टिक पर पूर्ण प्रतिबंध लागू है और भविष्य में भी इसी प्रकार की कार्रवाई जारी रहेगी। टीम ने व्यापारियों को जागरूक करते हुए बताया कि पर्यावरण संरक्षण के लिए प्लास्टिक मुक्त बाजार आवश्यक है। सिंगल यूज प्लास्टिक न केवल पर्यावरण को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि मानव तथा पशुओं के स्वास्थ्य पर भी गंभीर प्रभाव डालता है। इसलिए दुकानदार पर्यावरण अनुकूल विकल्प अपनाएँ और प्लास्टिक का उपयोग पूरी तरह बंद करें इस जांच अभियान में नगर प्रबंधक जया लक्ष्मी भगत, राजकुमार वर्मा, लेखपाल राहुल कुमार, राजस्व निरीक्षक तथा कनीय अभियंता मौजूद थे। अधिकारियों ने बताया कि नगर पंचायत क्षेत्र को प्लास्टिक मुक्त बनाने के लक्ष्य से ऐसे निरीक्षण आगे भी निरंतर जारी रहेंगे और उल्लंघन पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

शिक्षा को सशक्त बनाने की दिशा में बड़ा कदम परसही पंचायत में दो विद्यालयों के अतिरिक्त कक्षों का शिलान्यास



नवप्रदेश/लातेहार। लातेहार जिला के परसही पंचायत अंतर्गत जलता विद्यालय और नवागढ़ स्थित विद्यालय में अतिरिक्त कक्षों के निर्माण कार्य का शिलान्यास मारानीय विधायक श्री रामचन्द्र सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि समाज की प्रगति का मूल आधार शिक्षा है और एक सशक्त, समृद्ध एवं जागरूक समाज की कल्पना तभी की जा

सकती है जब बच्चों को बेहतर शैक्षणिक माहौल मिले। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में शिक्षा से जुड़ी सभी आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है और इसी कड़ी में दोनों विद्यालयों में अतिरिक्त कमरे के निर्माण की पहल की गई है ताकि बच्चों को पढ़ाई में किसी प्रकार की बाधा न आए। विधायक ने कहा कि आने वाले समय में भी शिक्षा के विस्तार

और विद्यालयों के सुदृढ़ीकरण के लिए ऐसे कार्य निरंतर जारी रहेंगे। उन्होंने स्थानीय जनता से भी शिक्षा के प्रति जागरूक रहने और बच्चों को विद्यालय भेजने की अपील की। इस मौके पर पूर्व कार्यकारी जिला अध्यक्ष गुंजर उरांव, विधायक प्रतिनिधि हरिशंकर यादव, युवा जिला अध्यक्ष अमित यादव, महिला जिला अध्यक्ष अनीता देवी, पंचायत समिति

सदस्य रीता देवी, ग्राम प्रधान बीरबल उरांव, अफरोज आलम, मोती उरांव, अरुण यादव, हसमद अंसारी, रिबंद राम, पिंटू सिंह, वाजिद अंसारी, संवेदक संदीप तिवारी इमरान अंसारी सहित दोनों विद्यालयों के प्रधानाध्यापक और सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहे। सभी ने भवन निर्माण कार्य की सराहना करते हुए इसे शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कदम बताया।

लातेहार के कई सहायक शिक्षक बने सहायक आचार्य, संघर्ष मोर्चा ने दी बधाई

नवप्रदेश/लातेहार। जिले के कई सहायक शिक्षकों ने अपनी मेहनत और लगन के दम पर सहायक आचार्य बनने में सफलता हासिल की है। लातेहार जिला सहायक शिक्षक संघर्ष मोर्चा के जिला अध्यक्ष अतुल कुमार ने सभी सफल अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए कहा कि पारा शिक्षकों ने तीन-तीन

परीक्षाएँ देकर यह उपलब्धि अर्जित की है, जो सराहनीय है। उन्होंने सभी के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। सहायक आचार्य बनने वालों में जिला कमिटी के अनूप कुमार, पवन कुमार यादव, प्रमोद यादव, अरविंद कुमार, संजीत प्रसाद और सुजीत कुमार शामिल हैं। इनके



अतिरिक्त शिक्षकों में काली नाथ यादव, विनोद यादव, विनोद मिश्र, शहदेव, ललन यादव, लवकेश भीम प्रजापति, महेश गुप्ता, नरेश

बालूमाथ के 17 अभ्यर्थियों को मिला सहायक आचार्य पद का नियुक्ति पत्र, क्षेत्र में हर्ष की लहर



ग्रामीण, अभिभावक और बुद्धिजीवी वर्ग ने इसे क्षेत्र की बड़ी उपलब्धि बताया है।

नियुक्ति पत्र पाने वाले अभ्यर्थी

ललन कुमार यादव, शशिकांत यादव, सचेंद्र प्रसाद साहू, बिनोद यादव, आलोक गुप्ता, सुनील साव, महानंद यादव, राजरूप यादव, देवती देवी, इंद्रदेव यादव, रूपचंद साव, सुरेंद्र गंडू, रामरत्न मेहता,

अनंत पाठक, विजेंद्र कुमार वर्मा, सुनील कुमार सिंह और सुबोध प्रसाद।

जीवन का यादगार क्षण:अभ्यर्थी

नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों ने कहा कि यह पल उनके जीवन का सबसे महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक क्षण है। उन्होंने झारखंड सरकार, शिक्षा विभाग एवं चयन प्रक्रिया से जुड़े अधिकारियों के प्रति आभार जताया। कई अभ्यर्थियों ने कहा कि अब उनकी

जिम्मेदारी और बढ़ गई है और वे राज्य की शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने में अपनी भूमिका निभाएंगे।

स्थानीय लोगों में खुशी

इस सामूहिक सफलता ने पूरे बालूमाथ क्षेत्र को गर्वान्वित किया है। ग्रामीणों ने कहा कि इतने बड़े पैमाने पर सहायक आचार्य पद चयन से युवाओं में नई ऊर्जा और विश्वास पैदा होगा। साथ ही यह क्षेत्र की शैक्षणिक प्रगति का भी संकेत है।

ग्रीनफील्ड एकेडमी में कल्पवृक्ष 2025 EXPO का भव्य आयोजन

विज्ञान, कला और संस्कृति की झलक से सजी छात्र प्रदर्शनी
रचनात्मक मॉडलों और नूतन प्रस्तुतियों ने जीता सभी का दिल
अतिथियों ने छात्रों की नवाचारपूर्ण प्रतिभा की सरहना की
कल्पवृक्ष 2025: विद्यार्थियों की मेहनत और सर्जनशक्तता का उत्कृष्ट प्रदर्शन
बक्यू खान नवप्रदेश/लातेहार

ग्रीनफील्ड एकेडमी में आज EXPO - कल्पवृक्ष 2025 का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, कला एवं क्राप्ट से संबंधित आकर्षक मॉडलों तथा रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में उपस्थित अभिभावकों व अतिथियों का मन मोह लिया। पूरे परिसर में बच्चों की रचनात्मकता, नवाचार और परिश्रम की झलक स्पष्ट दिखाई दी कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि रणधीर कुमार, पुलिस इंस्पेक्टर, तथा अतिथि-विशेष सुन्रन्द वैद्य, राजेश चंद्र पांडे और



आदर्श रवि राज ने दीप प्रचलन कर किया। अतिथियों ने छात्रों के उत्साह, अनुशासन और उत्कृष्ट तैयारी की सराहना की। प्रदर्शनी में छात्रों द्वारा तैयार किए

गए कार्यशील विज्ञान मॉडल, सामाजिक विज्ञान विषयक प्रोजेक्ट, चित्रकला, हस्तनिर्मित क्राफ्ट आइटम तथा विविध रचनात्मक प्रदर्श विशेष आकर्षण का केंद्र रहे।

सभी मॉडलों में छात्रों का शोध, लगन और टीमवर्क स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुआ, जिसकी अभिभावकों और आगंतुकों ने मुक्तकंठ से प्रशंसा की। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में छात्रों ने शास्त्रीय, लोक तथा आधुनिक नृत्यों की मनमोहक प्रस्तुतियाँ दीं। बच्चों का आत्मविश्वास, अभ्यास और कलात्मक अभिव्यक्ति कार्यक्रम की शोभा बढ़ा गए।मुख्य अतिथि ने कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों में जिज्ञासा, नवाचार, वैज्ञानिक दृष्टिकोण तथा कलाइसंवेदनशीलता को प्रोत्साहित करते हैं। प्रदर्शनी की

सफलता में विद्यालय के शिक्षकों का मार्गदर्शन और समर्पण उल्लेखनीय रहा। शिक्षकों ने छात्रों को अवधारणाओं की समझ, मॉडल निर्माण तथा प्रस्तुति के प्रत्येक चरण में सहयोग प्रदान किया। विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती अन्नाकुट्टी ने बच्चों की प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, कलात्मक अभिव्यक्ति और आत्मविश्वास को सुदृढ़ करते हैं। बच्चों के परिश्रम और रचनात्मकता ने पूरे कार्यक्रम को अविस्मरणीय बना दिया।

कोयले के चूल्हे से महिला झुलसी, गंभीर हालत में रिम्स रेफर

बालूमाथ संवाददाता बालूमाथ थाना क्षेत्र के नगड़ा ग्राम में शुक्रवार की देर शाम करीब 7 बजे कोयले के चूल्हे से लगी आग में एक



महिला गंभीर रूप से झुलस गई। घायल महिला की पहचान बबलू यादव की पत्नी मुनिया देवी के रूप में हुई है। घटना के बाद परिजनों ने उसे तत्काल बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉक्टर अशोक कुमार ने प्राथमिक उपचार देने के बाद उसकी स्थिति गंभीर देखते हुए रांची रिम्स रेफर कर दिया।मिली जानकारी के अनुसार मुनिया देवी खाना बनाने के लिए जलता हुआ कोयले का चूल्हा बाहर से घर के अंदर ले जा रही थीं। इसी दौरान चूल्हे से उठी लपेट उनके कपड़ों में लगीं और वह बुरी तरह झुलस गईं। आग लगते ही परिवार के सदस्यों ने किसी तरह आग बुझाई और उन्हें अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों के अनुसार महिला लगभग 40 प्रतिशत तक झुलस गई है। हालांकि डॉक्टरों ने बताया कि प्राथमिक उपचार के बाद उसकी स्थिति खतरे से बाहर है, लेकिन बेहतर देखभाल के लिए रिम्स रेफर किया गया है।

जंगली हाथियों ने मचाया उत्पात घर क्षतिग्रस्त धान समेत कई फसलें बर्बाद



बालूमाथ संवाददाता बालूमाथ वन क्षेत्र के मारंगलोइया ग्राम में शुक्रवार रात से शनिवार सुबह तक जंगली हाथियों के झुंड ने भारी उत्पात मचाया। रात करीब 10 बजे से सुबह 5 बजे तक चले इस तांडव में हाथियों ने कई ग्रामीणों के घरों को क्षतिग्रस्त कर दिया और खलिहान व खेतों में रखे अनाज व फसलों को बुरी तरह नष्ट कर दिया। हाथियों ने गोपी उरांव, कारण उरांव, जयराम उरांव, देवराज उरांव, जीवन कुजूर, सुरमा उरांव, अशोक उरांव, निर्मल उरांव और माधव महतो शामिल हैं। हाथियों ने घर तोड़ने के साथ-साथ घरों में रखे चावल, महुआ, अरवा और अन्य खाद्यान्न भी खा डाले, जिससे प्रभावित परिवारों के सामने भोजन का संकट खड़ा हो गया है। इसके अलावा हाथियों ने खलिहान में रखे धान और खेतों में लगी आलू, सरसों, टमाटर सहित अन्य सब्जियों की फसलों को रौंद कर बर्बाद कर दिया। ग्रामीणों के अनुसार कुल मिलाकर लाखों रुपये का नुकसान हुआ है, जिससे कई गरीब परिवार आर्थिक संकट में पड़ गए हैं। घटना की जानकारी मिलते ही बालूमाथ भाजपा मंडल अध्यक्ष लक्ष्मण कुशवाहा मौके पर पहुंचे और पीड़ित परिवारों से मिलकर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। वहीं पीड़िता भिनसरिया देवी ने वन विभाग व सरकार से मांग की है कि क्षतिग्रस्त परिवारों को पक्का मकान, खाद्यान्न सुविधा और उचित मुआवजा शीघ्र उपलब्ध कराया जाए, ताकि वे अपने जीवन-यापन को फिर से शुरू कर सके।मौके पर अजीत, संजय, सुरेंद्र सोरेन, मंगल, जटू, श्रवण, प्रवीण, पिंटू समेत कई ग्रामीण मौजूद रहे।

लातेहार में अवैध शराब पर पुलिस की कड़ी कार्रवाई, दो गिरफ्तार

लातेहार। उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक के संयुक्त निर्देश पर जिले में अवैध शराब के निर्माण एवं बिक्री पर रोक लगाने के लिए पुलिस और उत्पाद विभाग द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में शनिवार को महुआडांड थाना पुलिस ने अवैध शराब निर्माण एवं बिक्री के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान बिंदर उरांव और सलीमा देवी के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि दोनों आरोपी घर में अवैध रूप से जावा महुआ तैयार कर शराब का निर्माण करते हैं और उसकी बिक्री करते हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने छापाचारी की, जहां मौके से अवैध रूप से तैयार का जा रही शराब तथा संबंधित सामान बरामद किया गया। बरामद जावा महुआ को पुलिस ने मौके पर ही नष्ट कर दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि क्षेत्र में अवैध शराब के निर्माण और बिक्री पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। ऐसी गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

गुमशुदगी का सनहा दर्ज करने को लेकर पुलिस को आवेदन

बरवाडीह(लातेहार) : बरवाडीह थाना क्षेत्र के ग्राम पोखरी कला के मुमताज अंसारी की नाबालिग पुत्री रोजी प्रवीन उम्र 12 वर्ष गत 23 नवंबर (रविवार) से रहस्यमय ढंग से घर से लापता है। इस बारे में पिता मुमताज ने बुधवार को बरवाडीह थाना में लिखित आवेदन देकर पुत्री की गुमशुदगी का सनहा दर्ज कर उसे पता लगाने की गुहार लगाई है। थाना को दिए आवेदन में इस बात का उल्लेख है कि रविवार को अपराह्न 4 बजे से रोजी अपने घर से लापता है जिसका परिजनों द्वारा काफी खोजबीन करने के बाद भी उसके बारे में कहीं से कोई पता नहीं चल पाया है। वहीं थाना प्रभारी अनुराग कुमार ने आवेदन मिलने की पुष्टि करते हुए कहा कि मामले की जांच की जा रही है।साथ ही शायी गुप्त गुहू रोजी प्रवीन के पिता मुमताज अंसारी ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि अगर मेरी बच्ची पर किसी का नजर पड़े तो कृपया सुविदा करने का करें काम।।संपर्क नम्बर 8700221370,9572362469,,लखौी का लबाई और पहनावा तील सावर रंग, लंबाई साढ़े चार फिट, पिला रंग स्वेटर ,फिका गुलाबी रंग का साँत, फॉम वाला ब्लू रंग का सेंडल

रक्तदान मानवता का सर्वोत्तम माध्यम है: राजकुमार

लातेहार। शुक्रवार को सदर प्रखंड सह अंरल कार्यालय परिसर में आयोजित रक्तदान शिविर का शुभारंभ उप प्रमुख राजकुमार ने फीता काटकर किया। देशी रूप से उन्होंने स्वयं पहला रक्तदान कर लोगों को प्रेरित किया। राजकुमार ने कहा कि रक्तदान मानवता की सेवा का सर्वोत्तम माध्यम है, जिससे अनिर्णयित लोगों की जान बचाई जा सकती है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे नियमित रूप से रक्तदान कर समाज में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँ। शिविर में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के पदाधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में आम नागरिक मौजूद थे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोगों को रक्तदान के प्रति जागरूक करना और जरूरतमंद मरीजों तक समय पर रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करना था। प्रखंड चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. विक्रम विद्यार्थी ने इस अवसर पर अपने जीवन का 70वाँ रक्तदान कर विशेष योगदान दिया। उनके साथ पाँच अन्य लोगों ने भी स्वेच्छा से रक्तदान किया। अधिकारियों ने रक्तदान के सामाजिक रहस्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ऐसे शिविर स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने में मील का पथर साबित होते हैं

आजीविका कर्मियों का अनिश्चितकालीन हड़ताल नौ वें दिन भी जारी

लातेहार। झारखंड राज्य आजीविका कर्मचारी संघ के द्वारा अपनी विभिन्न मांगों को लेकर आहुत अनिश्चितकालीन हड़ताल शनिवार को नौवें दिन भी जारी रहा। लातेहार जिले के सभी प्रखंडों के एल-5 से एल 8 स्तर तक के जैएसएलपीएस कर्मी जिला मुख्यालय में धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। यह हड़ताल राज्य के सभी 24 जिलों में एक साथ जारी है और सभी कर्मी पूरी तरह कार्यवधी पर हैं। कर्मियों की प्रमुख मांगों में पनएमएम्पू न्यू एचआर मॉडल लागू करने, राज्यकर्मियों का रक्षायीकरण व सेवा सुरक्षा, वैतन पुनरीक्षण, दस प्रतिशत वार्षिक वेतन वृद्धि करने, एल 5 से एल 8 कर्मियों की अनुभव आधारित पदोन्नति तथा स्थानांतरण नीति में समतान करने की मांग शामिल है.संघ का आरोप है कि अब तक विभाग की ओर से इन मांगों को कोई स्पष्ट लिखित आदेश या निर्धारित सम्पझौता जारी नहीं किया गया है. कई दौर के बैठकों, पत्राचार और वाताओं के बावजूद कर्मियों को केवल मौखिक आश्वासन ही मिले हैं. हालांकि हड़ताल का असर जमीनी स्तर पर स्पष्ट दिख रहा है. एसएचजी, वीओ और सीएलए बैटवक, बैक लिकेज, ऋण प्रक्रियाएँ, एमआईएस रिपोर्टिंग, प्रशिक्षण तथा सभी फील्ड गतिविधियाँ पूरी तरह टप हो चुकी हैं. इससे पनएमएएलएम का कार्य अस्थिर हो गया है. संघ ने स्पष्ट किया है कि अनिश्चित पुरी तरह शांतिपूर्ण और लोकतान्त्रिक तरीके से चलाया जा रहा है तथा किसी भी जिले से अत्यवस्था की सूचना नहीं है. कर्मियों ने सरकार से मांगो पर लिखित निष्पत्ति एवं दोस सम्पझौसीमा जारी करने की अपील की है. संघ ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र समाधान नहीं मिला, तो आंदोलन और उग्र रूप लेगा. आजीविका के सभी कर्मियों ने सम्मान, सुरक्षा और न्याय मिलने तक संघर्ष जारी रखने का संकल्प दुहराया.

आईपीएल नीलामी से पहले पृथ्वी शॉ का धमाका

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में तूफानी फिफ्टी के साथ किया कमबैक का ऐलान

नई दिल्ली

भारतीय टीम से बाहर चल रहे युवा सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि उनका बल्ला अभी भी आग उगलने के लिए तैयार है। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025 में शॉ ने महाराष्ट्र की ओर से खेलते हुए हैदराबाद के खिलाफ सिर्फ 23 गेंदों में तूफानी अर्धशतक जड़कर सबको चौंका दिया। इस विस्फोटक पारी की बदौलत महाराष्ट्र को आसान जीत मिली, वहीं शॉ ने आईपीएल नीलामी से पहले फ्रेंचाइजियों का ध्यान एक बार फिर अपनी ओर खींच लिया। हैदराबाद द्वारा दिए गए 192 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए पृथ्वी शॉ ने क्रीज पर आते ही आक्रामक रुख दिखाया। उन्होंने अपनी 36 गेंदों की पारी में 9 चौके और 3 छक्के जड़ते हुए कुल 66 रन बनाए। शॉ ने अर्शिन कुलकर्णी के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 117 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी की और टीम को जीत की मजबूत नींव दी। यह उनके करियर का महाराष्ट्र के लिए पहला टी20 अर्धशतक रहा। ऋतुराज गायकवाड़ की गैरमौजूदगी में टीम की कप्तानी कर रहे शॉ पर दबाव था, लेकिन उन्होंने शानदार अंदाज में खुद को साबित किया। पिछले आईपीएल ऑक्शन में अनसोल्ड रहने के बाद पृथ्वी शॉ ने घरेलू क्रिकेट में जोरदार वापसी की है। मुंबई की टीम से हटने के बाद उन्होंने महा-राष्ट्र की ओर से खेलना शुरू किया है और रणजी ट्रॉफी में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। उनकी यह पारी बताती है कि वह एक बार फिर बड़े मंच पर वापसी को तैयार हैं। एक समय भारतीय क्रिकेट का भविष्य माना जा रहे पृथ्वी शॉ को पिछले साल किसी भी आईपीएल टीम ने नहीं खरीदा था। लेकिन अब सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में उनका शानदार प्रदर्शन आईपीएल फ्रेंचाइजियों के लिए मजबूत संदेश है। आगामी आईपीएल 2026 ऑक्शन 16 दिसंबर को अबू धाबी में आयोजित किया जाएगा, और शॉ अपने प्रदर्शन से टीमों की नजरों में जगह बनाना चाहते हैं। लगातार तीसरे वर्ष विदेश में होने वाला यह ऑक्शन रोचक होगा, और पृथ्वी शॉ के लिए यह स्वयं को साबित करने का बड़ा मौका है।

श्रीलंका के खिलाफ उतरेगी विश्व चैंपियन भारतीय महिला टीम

भारत दिसंबर में श्रीलंका के खिलाफ 5 टी20 इंटरनेशनल मैचों की मेजबानी करेगा

नई दिल्ली

वनडे वर्ल्ड कप जीतकर इतिहास रचने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम एक बार फिर मैदान पर अपने जौहर का प्रदर्शन करने के लिए तैयार है। बीसीसीआई ने शुक्रवार को आगामी होम सीरीज का ऐलान करते हुए बताया कि भारत दिसंबर में श्रीलंका के खिलाफ 5 टी20 इंटरनेशनल मैचों की मेजबानी करेगा। यह वही भारतीय टीम है, जिसने इसी महीने पहली बार महिला वनडे वर्ल्ड कप जीतकर पूरे देश को गर्व से भर दिया था। वर्ल्ड कप जीत के बाद यह भारतीय टीम की पहली अंतरराष्ट्रीय सीरीज होगी, जिसे लेकर क्रिकेट प्रेमियों में जबरदस्त उत्साह है। दिसंबर में पहले भारत और बांग्लादेश के बीच सीरीज प्रस्तावित थी, लेकिन दोनों देशों के बीच राजनीतिक तनाव बढ़ने के कारण उसे स्थगित कर दिया गया। इसके बाद बीसीसीआई और श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने मिलकर नई सीरीज का शेड्यूल तैयार किया और 5 मैचों की टी20 सीरीज पर सहमति बनी। यह सीरीज भारतीय टीम के लिए बेहद अहम मानी जा रही है, क्योंकि अगले साल फरवरी-मार्च में भारतीय महिला टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी, जहां दोनों देशों के बीच 1 टेस्ट, 2 टी20 और 3 वनडे मैच खेले जाएंगे। ऐसे में श्रीलंका के खिलाफ ये मुकाबले खिलाड़ियों को ऑस्ट्रेलियाई परिस्थितियों के लिए बेहतर तैयारी का अवसर देंगे। साथ ही यह सीरीज महिला प्रीमियर लीग 2026 (डब्ल्यूपीएल 2026) से पहले अपने प्रदर्शन को निखारने और टीम संयोजन मजबूत करने के लिए भी महत्वपूर्ण साबित होगी। भारत-श्रीलंका टी20 सीरीज विशाखापत्तनम और तिरुवनंतपुरम में आयोजित की जाएगी। पहला मैच 21 दिसंबर को विशाखापत्तनम के डॉक्टर वाईएस राजशेखर रेड्डी स्टेडियम में खेला जाएगा, जबकि दूसरा मुकाबला भी वहीं 23 दिसंबर को होगा। तीसरा टी20 26 दिसंबर को तिरुवनंतपुरम के ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा और इसके बाद चौथा और पांचवां मैच क्रमशः 28 और 30 दिसंबर को वहीं आयोजित होंगे। वर्ल्ड कप जीत से उत्साहित हरमनप्रीत कौर की अगुआई में भारतीय टीम अपनी लय बरकरार रखने के इरादे से मैदान में उतरेगी, वहीं श्रीलंका की टीम 2026 के व्यस्त सीजन से पहले शानदार प्रदर्शन के जरिए आत्मविश्वास मजबूत करना चाहेगी। कई अहम खिला-ड़ियों की वापसी और युवा प्रतिभाओं की मौजूदगी इस सीरीज को रोमांचक बना देगी।

डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए भारतीय टीम को 9 में से कम से कम 6 मैच जीतने होंगे

मुम्बई

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 2-0 से मिली हार के साथ ही भारतीय टीम की विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में पहुंचने की संभावनाएं कम हुईं पर समाप्त नहीं हुई हैं। उसे अब बची हुई तीन सीरीज में 9 में से कम से कम 6 मैच जीतने होंगी। ये सीरीज श्रीलंका, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया से होनी हैं। भारतीय टीम ने अभी तक इस चक्र में तीन सीरीज खेली हैं। इसमें इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज 2-2 से बराबरी पर रही है, वेस्टइंडीज के खिलाफ उसे 2-0 से जीत जबकि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 2-0 से हार मिली है। दक्षिण अफ्रीका से मिली हार के बाद प्रशंसक इस बात को लेकर परेशान है कि टीम फाइनल में पहुंच पाएंगी या नहीं। अब भारतीय टीम को अगली तीन टेस्ट सीरीज श्रीलंका, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया से खेलनी हैं। श्रीलंका और न्यूजीलैंड से भारतीय टीम को उन्हीं की धरती पर खेलना है। वहीं ऑस्ट्रेलिया की टीम भारत दौरे पर आयेगी। पिछले अगर दो डब्ल्यूटीसी चक्र पर देखें तो 60 से 65 प्रतिशत अंक हासिल करने वाली टीमों को ही फाइनल मे प्रवेश मिला था। भारतीय टीम को डब्ल्यूटीसी अंक तालिका में 60 प्रतिशत अंक का आंकड़ा पार करने के लिए बचे हुए 9 मुकाबलों में से कम से कम 6 मैच जीतने होंगे। इससे कम पर उसकी यह अन्य टीम पर निर्भर करेगी। श्रीलंका में टीम को दो टेस्ट खेलने हैं। यहां भारतीय टीम का रिकार्ड अच्छा रिकार्ड है, भारतीय टीम को ये सीरीज 2-0 से जीतनी होगी। न्यूजीलैंड में टीम को दो टेस्ट खेलने हैं। यहां जीतना हालांकि आसान नहीं है। ऐसे में भारतीय टीम अगर सीरीज 1-1 से बराबर भी रखती है तो भी उसे नुकसान नहीं है। ऑस्ट्रेलिया में उसे घरेलू जमीन पर 5 टेस्ट खेलने हैं। इसमें उसे कम से कम तीन जीत ने होंगे तभी उसके लिए फाइनल में पहुंचना संभव होगा।

धोनी ने टीम इंडिया को दिया डिनर पर न्योता, गंभीर की गैरमौजूदगी पर चर्चा तेज

कोहली-पंत पहुंचे रांची के फार्महाउस

नई दिल्ली

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का पहला मुकाबला रांची में 30 नवंबर को खेला जाना है। मैच से पहले टीम इंडिया के खिलाड़ियों को पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने अपने फार्महाउस पर डिनर के लिए आमंत्रित किया, जिसकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं।

डिनर में टीम के कई प्रमुख खिलाड़ी मौजूद रहे, जिनमें विराट कोहली, ऋषभ पंत और रतुराज गायकवाड़ विशेष रूप से नजर आए। इस मुलाकात ने फैंस में पुरानी यादें ताजा कर दीं, क्योंकि धोनी और कोहली की गर्मजोशी भरी दोस्ती हमेशा चर्चा में रहती है। वीडियो में देखा जा सकता है कि विराट कोहली और अन्य



खिलाड़ी धोनी के घर डिनर के लिए पहुंचे, जहां सभी ने एक साथ समय बिताया। मीडिया में कोहली के पहुंचने का वीडियो

शेयर किया गया।

यह वीडियो सोशल मीडिया पर ट्रेंड करने लगा। डिनर के बाद धोनी ने खुद

विराट कोहली के निशाने पर सचिन तेंदुलकर के दो वर्ल्ड रिकॉर्ड

सिर्फ एक शतक से बना देंगे नया इतिहास

नई दिल्ली

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज रविवार, 30 नवंबर से शुरू होने जा रही है और पहला मुकाबला रांची में खेला जाएगा।

इस हाई-वोल्टेज सीरीज में टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली एक बार फिर सुर्खियों में होंगे, क्योंकि उनके सामने दो बड़े वर्ल्ड रिकॉर्ड्स को तोड़ने का सुनहरा मौका होगा। ये दोनों रिकार्ड महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के नाम दर्ज हैं, जिन्हें कोहली सिर्फ एक शतक लगाकर पीछे छोड़ सकते हैं। फैंस की निगाहें अब इस बात पर टिकी हैं कि क्या किंग कोहली रांची में इतिहास रचते हुए मास्टर ब्लास्टर का रिकॉर्ड तोड़ पाएंगे। पहला रिकॉर्ड किसी भी एक फॉर्मेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने का है। इस समय विराट कोहली



वनडे क्रिकेट में 51 शतक जड़ चुके हैं, जो सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड की बराबरी है। सचिन ने अपने करियर में टेस्ट क्रिकेट में 51 शतक लगाए, जबकि कोहली के ये 51 वनडे में हैं। जैसे ही कोहली एक और सेंचुरी बनाएंगे, वह दुनिया के पहले ऐसे क्रिकेटर बन जाएंगे जिन्होंने किसी भी एक फॉर्मेट में 52 अंतरराष्ट्रीय शतक लगाए हों। यह उपलब्धि उन्हें न केवल क्रिकेट

इतिहास के सबसे बड़े बल्लेबाजों में और आगे स्थापित करेगी, बल्कि वनडे फॉर्मेट में उनकी बादशाहत भी और मजबूत करेगी। दूसरा रिकॉर्ड दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सबसे ज्यादा शतक लगाने का है। इस सूची में अभी तीन खिलाड़ी संयुक्त रूप से पहले स्थान पर हैं सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली और ऑस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर, जिनके नाम 5-5 शतक दर्ज हैं।

भारतीय क्रिकेट को बचाने बेहतर पिचें बनाये बीसीसीआई : हरभजन

स्पिनरों की सहायक पिचों से पांच दिन तक खेलना भूल रहे खिलाड़ी

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज स्पिनर रहे हरभजन सिंह ने कहा है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को अब बेहतर पिचें बनानी चाहिये। हरभजन ने कहा कि जिस प्रकार से आजकल स्पिनरों की सहायक पिचें बनायी जा रही हैं।

उससे क्रिकेटर पांच दिन तक खेलना एक प्रकार से भूल ही गये हैं। ऐसी पिचों पर बल्लेबाजी करना कठिन होता जा रहा है जिससे मैच दो से तीन दिन में ही समाप्त हो रहे हैं। इसी कारण पिछले एक साल में ही भारतीय टीम अपनी ही धरती पर दो बार क्लीन स्वीप हुई है। वहीं पहले भारतीय टीम को घर में हराना बेहद कठिन होता था। हरभजन सिंह ने कहा कि ज्यादा स्पिन वाली विकेट होने के कारण अब खिला-ड़ियों को दो से तीन दिन खेलने की आदत है। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ी को बचाने के लिए बेहतर विकेटों को बनाने की जरूरत है। हरभजन ने कहा, हमें नहीं पता कि पांच दिन तक मैच कैसे खेलना है। हमें ऐसे विकेट पर कई मैच खेलने की आदत हो गई है जहां मैच दो-तीन दिन तक चलते हैं। आजकल, इसने विराट कोहली, चेतेश्वर पुजारा, आर्जुन्य राहणे जैसे हमारे बल्लेबाजों का औसत 50 से घटाकर



35-40 कर दिया है। हमारे पुराने महान खिलाड़ी इसलिए महान थे क्योंकि वे जानते थे कि टेस्ट मैच क्रिकेट के पांच दिन कैसे खेलना है। उन्होंने कहा कि वह अपने अतीत को भूलकर आगे बढ़े और अच्छे परिणामों की जगह पर बेहतर पिच बनाने को प्राथमिकता दे। भज्जी ने कहा, ईंडियन क्रिकेट की बेहतरी के लिए, मुझे लगता है कि उन्हें भूल जाना चाहिए कि पिछले 10 से 12 सालों में क्या हुआ है। भारतीय क्रिकेट की आने वाली पीढ़ी को बचाने के लिए बेहतर विकेटों पर खेलना होगा। हरभजन ने कहा कि टेस्ट क्रिकेट में धैर्य की जरूरत होती है, उन्हें लगता है कि हाल के हालात की वजह से ये खूबियां कम हो गई हैं।

ऑस्ट्रेलिया की ऑल टाइम इलेवन में रिकी पोंटिंग ने खुद को नहीं चुना

डेमियन मार्टिन को बताया सबसे अंडररेटेड खिलाड़ी

नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट इतिहास के सबसे सफल कप्तानों में गिने जाने वाले रिकी पोंटिंग ने हाल ही में अपनी ऑल टाइम ऑस्ट्रेलिया इलेवन टीम का चयन किया।

जहां क्रिकेट प्रेमियों को उम्मीद थी कि पोंटिंग अपनी शानदार उपलब्धियों और रिकॉर्ड्स के आधार पर खुद को जरूर शामिल करेंगे, वहीं उन्होंने सभी को चौंकाते हुए खुद को इस टीम से बाहर रखा। उन्होंने कहा कि हालांकि उनके लिए चयन आसान नहीं था, लेकिन उन्होंने उन खिलाड़ियों को

चुना जिनके साथ खेलते हुए उन्होंने ऑस्ट्रेलिया को विश्व क्रिकेट में शीर्ष पर पहुंचते देखा। पोंटिंग ने ओपनर के रूप में अपने दो करीबी साथी जस्टिन लैंगर और मैथ्यू हेडन को चुना। उनके अनुसार यह ओपनिंग जोड़ी आक्रामकता, तकनीक और मानसिक दृढ़ता का बेहतरीन मेल थी। उन्होंने बताया कि इन दोनों खिलाड़ियों ने श-रूआती साझेदारी में अक्सर टीम को मजबूत नींव दी। नंबर-3 पर उन्होंने महान बल्लेबाज सर डॉन ब्रैडमैन को रखा, जिनका करियर औसत 99.94 आज भी क्रिकेट इतिहास की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है। नंबर-4 पर पोंटिंग ने डेमियन मार्टिन को शामिल किया



और कहा कि वह ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलने वाले सबसे ज्यादा अंडररेटेड बल्लेबाज हैं। उनके अनुसार मार्टिन की तकनीक और

मैच को संभालने की क्षमता शानदार थी, लेकिन उन्हें वह पहचान कभी नहीं मिली जिसके वह हकदार थे। इसके बाद नंबर-5 पर उन्होंने

माइकल हसी को चुना, जिनकी निरंतरता और फिनिशिंग क्षमता को पोंटिंग ने असाधारण बताया। ऑलराउंडर के रूप में उन्होंने नंबर-6 पर एंड्र्यू साइमंड्स का चयन किया, जिन्हें उन्होंने हर फॉर्मेट में प्रभावी बताया। विकेटकीपर-बल्लेबाज के तौर पर एडम गिलकि-स्ट को नंबर-7 पर जगह मिली, जिन्होंने अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से क्रिकेट की परिभाषा बदल दी। गेंदबाजी विभाग में पों-टिंग ने लेजेंड स्पिनर शेन वार्न को नंबर-8 पर रखा, जिन्हें वह दुनिया का सर्वश्रेष्ठ लेग स्पिनर मानते हैं। नंबर-9 पर ब्रेट ली, नंबर-10 पर जेसन गिलेस्पी और नंबर-11 पर ग्लेन मैक्ग्रा को चुना गया।

मैक्ग्रा के बारे में उन्होंने मजाक में कहा कि वह उनके साथ खेलने वाले सबसे खराब बल्लेबाज थे, पर गेंदबाजी में उनका कोई जवाब नहीं।

जब पोंटिंग से 12वें खिलाड़ी के बारे में पूछा गया, तो सभी को लगा कि वह अपना नाम लेंगे, लेकिन उन्होंने हंसते हुए डैरेन लेहमन का नाम लिया और कहा फील्डिंग के लिए नहीं, पानी अच्छी तरह पिलाने के लिए। पोंटिंग की विनम्रता और हास्यपूर्ण अंदाज की चर्चा सोशल मीडिया पर खूब हो रही है, जहां प्रशंसक उनकी सादगी की प्रशंसा कर रहे हैं।

गाड़ी ड्राइव कर कोहली को टीम होटल तक छोड़ा, जिसका वीडियो भी फैंस के बीच काफी लोकप्रिय हो रहा है।

धोनी को सरल और जमीन से जुड़े व्यक्तित्व के लिए जाना जाता है, और इस अंदाज ने एक बार फिर सभी का दिल जीत लिया। हालांकि जहां टीम इंडिया के कई खिलाड़ी इस डिनर में शामिल हुए, वहीं भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर की कोई भी तस्वीर या वीडियो सामने नहीं आया।

इससे फैंस के बीच जिज्ञासा बढ़ गई कि क्या गंभीर डिनर में शामिल नहीं हुए या फिर किसी कारण से कैमरे की नजरों में नहीं आए। हाल के दिनों में गंभीर को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में मिली हारों के बाद आलोचनाओं का

सामना करना पड़ा है और ऐसे में उनकी अनुपस्थिति ने नए सवाल खड़े कर दिए। टीम के खिलाड़ियों की फूड प्रेफरेंस को लेकर भी चर्चा हुई।

वर्तमान टीम में रोहित शर्मा, विराट कोहली, रवींद्र जडेजा, अभिषेक शर्मा और रिकू सिंह शाकाहारी हैं, जबकि एमएस धोनी, शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत और सूर्यकुमार यादव मांसाहा-री भोजन पसंद करते हैं।

इसके अलावा संजू सैमसन, कुलदीप यादव, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, श्रेयस अय्यर, रतुराज गायकवाड़, वरुण चक्रवर्ती और हर्षित राणा भी नॉन-वेजिटेरियन फूड पसंद करते हैं। अब सभी की नजरें वनडे सीरीज पर हैं, जहां भारत जीत के साथ शुरूआत करना चाहेगा। रांची में होने वाले पहले मैच में टीम इंडिया का उत्साह दिखा, और धोनी का यह डिनर टीम में सका-रात्मक माहौल बनाने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। अब देखना यह होगा

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले एकदिवसीय में उतरते ही रिकार्ड बनाएगी रोहित और विराट की जोड़ी

तेंदुलकर और द्रविड़ का रिकॉर्ड तोड़ देंगे

मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम 30 नवंबर से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलेगी। इस सीरीज में भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा पर सबकी नजरें रहेंगी। रोहित और विराट ने एक साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अभी तक 391 मैच खेले हैं। भारतीय जोड़ी के तौर पर यह संयुक्त रूप से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा खेले गए मैच हैं। रोहित और कोहली के अलावा सचिन तेंदुलकर और राहुल द्रविड़ की जोड़ी ने भी एक साथ इतने ही मैच खेले हैं। ऐसे में जब रोहित और विराट कोहली दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहला एकदिवसीय खेलने के लिए उतरते ही तेंदुलकर और द्रविड़ का रिकॉर्ड तोड़ देंगे। इस प्रकार रोहित-कोहली की जोड़ी इस मैच में भारत के लिए सबसे ज्यादा इंटरनेशनल मैच खेलने वाली जोड़ी बन जाएगी। वहीं सबसे अधिक मैच खेलने वाली तीसरी जोड़ी राहुल द्रविड़ और गांगुली की है। इस जोड़ी ने 369 मैच खेले हैं। शुभमन गिल की गर्दन की अकड़न ठीक नहीं होने से इस सीरीज में भारतीय टीम केएल राहुल की कप्तानी में उतरेगी। चोटिल होने की वजह से इस सीरीज से बहार हैं, ऐसे में केएल राहुल को कप्तान नियुक्त किया गया है। भारतीय प्रशंसक इस बात को लेकर उत्साहित हैं कि उन्हें लंबे समय के बाद रोहित और विराट की जोड़ी को एक साथ घरेलू मैदान पर खेलते हुए देखने का अवसर मिलेगा। इससे पहले ये दोनों आईपीएल में ही घरेलू मैदान पर उतरे थे। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच पहला वनडे 30 नवंबर को रांची में तो अगले दो मुकाबले 3 और 6 दिसंबर को क्रमशः रायपुर और विशाखापट्टनम में खेले जाएंगे।

टी20 विश्वकप में भारतीय टीम के प्रदर्शन पर निर्भर करेगा गंभीर का भविष्य

मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर आजकल मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टीम की टेस्ट सीरीज में करारी हार के बाद से ही आलोचक उन्हें पद से हटाने की मांग कर रहे हैं। इन्ाको लेकर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) पर भी दबाव है। बोर्ड ने हालांकि अभी उन्हें बरकरार रखने की बात कही है पर माना जा रहा है कि बोर्ड भी गंभीर के रवैये से संतुष्ट नहीं है। हार के बाद उनके दिये बयान से भी बोर्ड की नाराजगी बढ़ी है। ऐसे में उनके लिए नये साल में की शुरूआत में होने वाला टी20 विश्वकप बेहद अहम रहेगा। अगर भारतीय टीम का प्रदर्शन इसमें अच्छा नहीं रहा तो उनकी छुट्टी तय मानी जा रही है। बीसीसीआई ने भले ही अभी उपपर कार्रवाई नहीं की है पर उन्हें पूरी



राहत भी नहीं मिली है। बोर्ड कोलकाता की पिच को लकर गंभीर के बयान से खुश नहीं है पर बीच में ही बोर्ड उन्हें हटाकर अव्यवस्था नहीं चाहता है। इसके अलावा उभी बोर्ड के पास विकल्प भी नहीं हैं। गंभीर ने इंडन गार्डन की जिस पिच का सार्वजनिक तौर पर बचाव किया था। उस पिच का जहां पर टेस्ट मैच ढाई दिन में ही खत्म हो गया था। इतिहास में पहली बार भारत में कोई ऐसा टेस्ट मैच हुआ जिसकी सभी 4 पारियों में कोई भी टीम 200 रन का आंकड़ा भी हासिल नहीं कर पाई। इंडन गार्डन की पिच की तमाम जानकारों और

पूर्व क्रिकेटरों ने कड़ी आलोचना की थी पर गंभीर ने उसका खुलकर बचाव किया था। वहीं बीसीसीआई के अधिकारी ने बताया, सीमित ओवरों की सीरीज समाप्त होने के बाद इन मामलों पर गहराई से चर्चा होगी। अधिकारी ने संकेत दिया कि गंभीर का भविष्य अब 2026 के टी20 वर्ल्ड कप में भारतीय टीम के प्रदर्शन पर निर्भर करेगा। अगले साल की शुरूआत में भारत टी20 विश्व कप की सह मेजबानी करने जा रहा है। अगर उसमें भी टीम का प्रदर्शन खराब हुआ तब गंभीर के लिए आगे की राह बहुत ही मुि-श्कल होगी।

नालंदा में निजी कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे सीएम नीतीश



नवप्रदेश, नालंदा: मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शनिवार को नालंदा जिले के इस्लामपुर प्रखंड के हैदरचक गांव पहुंचे। जहां उन्होंने जदयू सांसद कौशलेंद्र कुमार के बड़े भाई स्वर्गीय सुनील कुमार के तैलीय चित्र पर पुष्प एवं माल्यार्पण किया। एवं मृत आत्म की शांति के लिए प्रार्थना किए। एवं शोकाकुल परिवार को ढाढस बंधाया। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर जिला प्रशासन के द्वारा सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए

थेदरअसल नालन्दा से जदयू के सांसद कौशलेंद्र कुमार के बड़े भाई सुनील कुमार का देहान्त 4 जुलाई को हो गया था। जिसके बाद आज श्राद्ध कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इसी कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भाग लेने पहुंचे थे। इस दौरान ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार भी उपस्थित रहे। हालांकि मीडिया कर्मियों को घर के अंदर जाने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अंदर जाने से रोक दिया गया था।

ई-किसान भवन बड़हरा में कृषि यांत्रिकीकरण शिविर का आयोजन

बड़हरा: बड़हरा प्रखंड स्थित ई-किसान भवन में शुक्रवार को कृषि यांत्रिकीकरण से जुड़ा विशेष शिविर आयोजित किया गया। चंद्रवंशी बीज एवं यंत्र कंपनी के बैनर तले आयोजित इस शिविर में किसानों को मिनी किट यंत्र उपलब्ध कराए गए। कुल 25 लाभुकों के लिए स्वीकृति पत्र जिला कृषि कार्यालय द्वारा जारी किया गया था, जिनमें विभिन्न पंचायतों के किसान शामिल थे। इसी क्रम में फरना पंचायत के 10 लाभुक किसान शिविर में उपस्थित हुए और उन्होंने अपने-अपने मिनी किट यंत्र प्राप्त किए। कार्यक्रम की देखरेख सुमान कुमार, वेद प्रकाश और रवी भारती द्वारा की गई। अधिकारियों ने लाभुक किसानों को यंत्रों के उपयोग और उनकी कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार से जानकारी भी दी। लाभुक किसानों में अनिल कुमार सिंह, लाल बाबू सिंह, दीपक सिंह, बलिराम सिंह, अशोक कुमार वर्मा, मुन्ना प्रसाद, नवीन पांडे, कमलेश राम, उदय शंकर पांडे सहित अन्य किसान शामिल थे।

जनता दरबार में जमीन विवाद के पांच मामलों का हुआ त्वरित निष्पादन



नवप्रदेश, सूर्यपुरा: अंचल कार्यालय में शनिवार को भूमि विवाद से जुड़े मामलों के निष्पादन के लिए जनता दरबार का आयोजन किया गया। अंचलाधिकारी गोल्डनी कुमारी एवं सूर्यपुरा थानाध्यक्ष ने संयुक्त रूप से जनता दरबार की अध्यक्षता की। इस दौरान क्षेत्र के विभिन्न गांवों से आए ग्रामीणों ने अपनी-अपनी समस्याएँ अधिकारियों के समक्ष रखीं। कुल सात भूमि विवाद संबंधित आवेदन प्राप्त हुए।

सीओ.ने बताया कि जनता दरबार का मुख्य उद्देश्य आम

लोगों की समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी और निष्पक्ष समाधान को सुनिश्चित करना है, ताकि उन्हें अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। अधिकारियों ने सभी आवेदकों की शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए दस्तावेजों की जाँच की। तत्पश्चात दिखाते हुए सात में से पांच मामलों का मौके पर ही निष्पादन कर दिया गया। उन्होंने आगे कहा कि शेष दो मामलों में कुछ औपचारिकताएँ लंबित हैं, जिन्हें पूरा करने के बाद अगली सुनवाई में समाधान कर दिया जाएगा।

अज्ञात वाहन की चपेट में आकर दो बाइक सवार घायल

कोईलखर: थाना क्षेत्र के गूफ सिक्सलेन पुल पर शुक्रवार को अज्ञात वाहन की चपेट में आने से दो बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद राहगीरों ने इसकी सूचना एनएचआई टीम को दी, जिसके बाद एम्बुलेंस से दोनों घायलों को कोईलखर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने स्थिति गंभीर देखते हुए दोनों को आरा रेफर कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार घायल युवकों की पहचान पटना जिले के मनैर थाना क्षेत्र के नयका टोला, गोरेया थान निवासी उपेंद्र राय के 25 वर्षीय पुत्र गड्डु कुमार तथा चंद्रेश्वर राय के 30 वर्षीय पुत्र धर्मेन्द्र कुमार के रूप में हुई है। दोनों किसी कार्य से मोटरसाइकिल से कोईलखर आए थे। इसी दौरान सिक्सलेन पुल पर एक अज्ञात वाहन ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी और घटना के बाद वाहन चालक फरार हो गया। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और मौके से प्राप्त तथ्यों के आधार पर कार्रवाई की जा रही है।

सच्चे मन से प्रयास करेंगे तो हर यात्रा सफल होगी : विकास वैभव

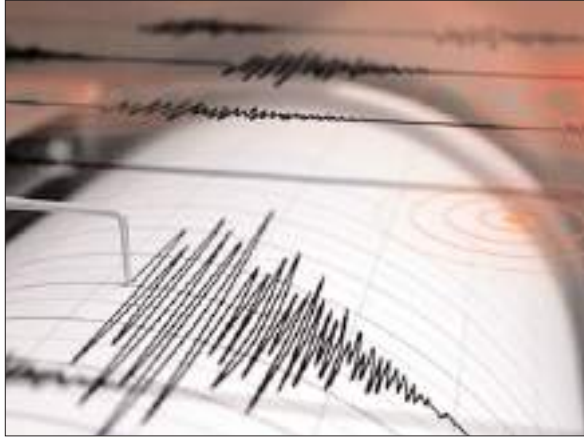
नवप्रदेश, सूर्यपुरा: प्रखंड मुख्यालय स्थित राजा साहब के बड़ा तालाब के पास स्टडी ट्यूशन सेंटर के द्वारा विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसके मुख्य अतिथि आईपीएस सह लेट्स इम्पायर बिहार के संस्थापक विकास वैभव ने दीप प्रज्वलित कर किया, कार्यक्रम के शुरुआत में सेंटर के संचालक जिसनू कुमार ने सभी अतिथियों को अंग वस्त्र एवं पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया.वहीं प्रेस क्लब के तरफ से मनोज सिंह एवं मुकेश कुमार सिंह ने अंग वस्त्र से आई जी विकास वैभव को सम्मानित किया। इसके पूर्व विकास वैभव सर का सभा स्थल पर पहुंचते ही छात्र ,छात्राओं ने बैंड बाजा के साथ ही पुष्प वर्षा कर उनका भव्य स्वागत किया. फिर मुख्य अतिथि ने छात्र-छात्राओं द्वारा प्रदर्शित विज्ञान प्रदर्शनी में बनाए गए विभिन्न उपकरणों का अवलोकन किया. वहीं कार्यक्रम में ट्यूशन सेंटर की छात्राओं ने रिकॉर्डिंग डांस एवं नर्चें बच्चों ने विभिन्न

बिहार में अब भूकंप का ज्यादा खतरा, सिस्मिक जोन-5 में पहुंचे 12 जिले

निरंकार भास्कर, नवप्रदेश

पटना: पहले की तुलना में भागलपुर समेत पूर्वी बिहार एवं कोसी-सीमांचल के 12 जिले अब ज्यादा भूकंप की जद में हैं। जारी नए नक्शे में न केवल पूर्वी बिहार, कोसी-सीमांचल के 12 जिलों का भूकंप जोन बदल गया है, बल्कि ये चेतावनी भी दी गई है कि अब लोगों को पहले की तुलना में निर्माण कराते वक्त ज्यादा भूकंपरोधी उपायों को अपनाना होगा।

भारत ने अपने भूकंपीय खतरों के मूल्यांकन में ऐतिहासिक बदलाव करते हुए नया अर्थव्येक डिजाइन कोड- 2025 जारी किया है। इस अपडेटेड सिस्मिक जोनेशन मैप में पूरे हिमालयी आर्क को पहली बार नवनिर्मित उच्चतम जोखिम



वाले जोन 6 में रखा गया है। वहीं, बिहार के 12 जिलों को जोन-5 में शामिल किया गया है। बिहार कृषि विश्वविद्यालय के मौसम वैज्ञानिक डॉ. बॉरेन्द्र कुमार बताते हैं कि नई वर्गीकृत प्रणाली से पता चलता है कि भागलपुर,

बांका, जमुई, सहरसा, अररिया, सुपौल, मधेपुरा, कटिहार, पूर्णिया, मुंगेर, मधेपुरा, किशनगंज जिले भूकंप के सिस्मिक जोन 5 में पहुँच चुके हैं। यानी ये सब जिले उच्च जोखिम वाले जिले हैं। जबकि

पुलिस नहीं कर पाएगी मनमानी पटना हाईकोर्ट ने दिया बड़ा आदेश: अफसर पर जूमाना भी लगाया

नवप्रदेश संवाददाता

पटना: हाईकोर्ट ने शराबबंदी कानून पर बड़ा फैसला दिया है। चोरी हुई गाड़ी से एक माह दस दिन बाद विदेशी शराब बरामद होने के मामले में तीन दिनों के भीतर गाड़ी छोड़ने का आदेश दिया। साथ ही मकदमे के खर्च के रूप में दस हजार रुपये का भुगतान करने को कहा। कोर्ट ने दोषी कर्मियों को चिह्नित कर उनसे राशि की वसूली करने की पूरी छूट दी है। न्यायमूर्ति सौरभ पांडेय की खंडपीठ ने अली अशरफ सिद्दीकी की ओर से दायर अर्जी पर सुनवाई के बाद यह आदेश दिया। कोर्ट ने बिहार मद्यनिषेध कानून के तहत जब्त गाड़ी पर की गई। कार्रवाई को अनचित करार दिया। कोर्ट ने कहा कि जब वाहन चोरी होने की आधिकारिक रिपोर्ट (प्रार्थमिकी) मौजूद है और मालिक की सलिपता का कोई साक्ष्य नहीं है तो गाड़ी मालिक पर कार्रवाई कैसे हो



सकती है। आवेदक की ओर से अधिवक्ता सतीश चंद्र मिश्रा ने कोर्ट को बताया कि गाड़ी 6 मई 2024 को चोरी हुई थी। इसके एक माह दस दिनों के बाद शराब के साथ गाड़ी बरामद हुई। इसके बावजूद सीवान के जिला पंचायती राज पदाधिकारी ने दंड राशि जमा कराने और गाड़ी नीलामी प्रक्रिया आगे बढ़ाने का आदेश दिया। अपीलीय अधिकारी ने भी जिला पंचायती राज अधिकारी के आदेश को सही ठहराते हुए अपील को खारिज कर दिया। पटना हाईकोर्ट ने इन दोनों आदेशों को कानून के विपरीत करार देते हुए निरस्त कर दिया और राज्य सरकार को आदेश प्राप्त के तीन दिनों के भीतर गाड़ी छोड़ने का आदेश दिया। साथ ही बतौर मकदमा खर्च दस हजार रुपये देने का भी आदेश दिया। बाइक से शराब तस्करी नहीं हुई तो क्यों जब्त

कर रखी गयी पटना हाईकोर्ट ने शराब की तस्करी में मोटरसाइकिल के डस्टमाल नहीं होने के बावजूद उसे जब्त कर रखने के मामले में कड़ा रुख अख्तियार किया है। इस पर सवाल उठाते हुए हाईकोर्ट ने पंजीकृत मालिक के पक्ष में मोटरसाइकिल छोड़ने का आदेश दिया है। न्यायमूर्ति अरुण कुमार झा की एकलपीठ ने कर्मनाल कमार की ओर से दायर अर्जी पर सनवाई के बाद यह आदेश दिया।

आवेदक की ओर से कोर्ट को बताया गया कि गोलू कुमार नाम के एक व्यक्ति की मोटरसाइकिल से उसकी बाइक टकरा गई थी। इसको लेकर आवेदक और गोलू कुमार के बीच कुछ विवाद हो गया। इसके बाद गोल ने झूठे मामले में फंसाने के लिए आवेदक की मोटरसाइकिल में शराब रख उसे जब्त करवा दिया। जांच में यह तथ्य सामने आया कि घटना में आवेदक की मोटरसाइकिल की कोई सलिपता नहीं है।

बगहा पुलिस जिला में जप्त 770 लीटर देशी एवं अंग्रेजी शराब नष्ट, चौतरवा थाना परिसर में जेसीबी से कराया गया विनष्टिकरण

नवप्रदेश, चौतरवा: बगहा पुलिस जिला अंतर्गत विभिन्न थाना क्षेत्रों में चलाए गए विशेष छापेमारी एवं वाहन जांच अभियानों के दौरान जप्त की गई भारी मात्रा में देशी चुलाई शराब व हरियाणा निर्मित अंग्रेजी शराब को शुक्रवार को विधिवत रूप से नष्ट कर दिया गया। यह कार्रवाई चौतरवा थाना परिसर में उत्पाद विभाग की टीम तथा स्थानीय पुलिस प्रशासन की देखरेख में की गई। कुल 770 लीटर अवैध शराब को विनष्ट करने की प्रक्रिया सुबह से शुरू होकर निर्धारित प्रोटोकॉल के तहत संपन्न हुई। उत्पाद विभाग के इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार एवं चौतरवा थानाध्यक्ष राहुल कुमार सिंह की निगरानी में जेसीबी से बड़ा गड्ढा खोदकर शराब को नष्ट किया गया।

शराब विनष्टिकरण के दौरान थाने के कई पुलिस पदाधिकारी एवं जवान मौजूद रहे।



जप्त की गई शराब में बड़ी मात्रा में देशी चुलाई शराब के साथ-साथ वह अंग्रेजी शराब भी शामिल थी जिसे पुलिस ने अलग-अलग थाना क्षेत्रों में छापेमारी के दौरान पकड़ा था। सभी बरामद खेपों को थाने में रखकर विधि-व्यवस्था के अनुरूप सूचीबद्ध किया गया था।अधिकारियों ने बताया कि जिले में लगातार चलाए जा रहे अभियान का उद्देश्य अवैध शराब के निर्माण, बिक्री और तस्करी पर खात्री से रोक लगाना है। उत्पाद एवं पुलिस

विभाग के संयुक्त प्रयास से कई स्थानों पर अवैध शराब कारोबारियों पर प्रभावी कार्रवाई की गई है। हाल के दिनों में विभिन्न थानों ने कई शराब तस्करी को गिरफ्तार कर बड़ी मात्रा में शराब बरामद की है, जिसके बाद उसे न्यायालयीय औपचारिकताओं के पूर्ण होने पर आज विनष्ट किया गया।

थानाध्यक्ष राहुल कुमार सिंह ने कहा कि अवैध शराब कारोबार में शामिल लोगों पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने

आम लोगों से अपील की कि ऐसे किसी भी गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि समाज में फैल रहे इस अवैध कारोबार पर रोक लगाई जा सके। विनष्टिकरण की इस प्रक्रिया के दौरान सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए थे। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आगे भी इसी तरह जिले में अवैध शराब विरोधी अभियान और अधिक तेज किया जाएगा, जिससे सामाजिक एवं नैतिक-व्यवस्था पर इसका दुष्प्रभाव समाप्त किया जा सके।

सच्चे मन से प्रयास करेंगे तो हर यात्रा सफल होगी : विकास वैभव



आकृति में सज घज कर अलग अलग संपत्ति धुनों में डांस प्रस्तुत कर सभी दर्शकों का मन मोह लिया.वहीं कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री वैभव ने कहा कि ईश्वर ही है, जिनमें किसी तरह की कोई कमी नहीं है.हर आत्मा में परमात्मा का वाश होता है. छात्राओं को मोटिवेट करते हुए कहा कि आप सोना को सूक्ष्म से अति सूक्ष्म भी कण कर दीजिए फिर भी वह सोना ही रहेगा. एक बात का उदाहरण देते हुए कहा कि अपने यहां पूर्व के समाज में किसी भी तरह का जातिवाद नहीं



निदेशक अखिलेश कुमार सिंह ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि आज लोग बिहार को सम्मानजनक नजरों से देखना शुरू कर दिए हैं. इसलिये आप सभी लोग भी शिक्षा ग्रहण कर लोगों को नौकरा देने के लिए हमेशा प्रयासरत रहेंगे, तो अपना बिहार फिर से स्वर्णिम बिहार बनेगा. कार्यक्रम के अंत में विज्ञान प्रदर्शनी में सफल छात्र छात्राओं को मुख्य अतिथि ने पुरस्कार वितरण किया.मौके पर एल आई बी कोइनेटर यशवंत कुमार

सिंह,अंचल निरीक्षक शेर सिंह यादव, सीओ गोल्डी कुमारी, बी ए ओ मनोज कुमार, समाजसेवी सुदामा पांडे, मुखिया प्रमोद कुमार चंद्रवंशी, सरपंच शमीम, बॉरेन्द्र लाल, मुकेश सिंह, मनोज सिंह, पीके मिश्रा के साथ ही कई अन्य लोग शामिल थे. कार्यक्रम का संचालन दीपक कुमार एवं समरीन कुमारी ने संयुक्त रूप से किया.

संक्षिप्त खबरें

बीडीओ ने पीरो अस्पताल का किया निरीक्षण



नवप्रदेश, पीरो(भोजपुर): भोजपुर डीएम के निदेश पर गुरुवार को पीरो बीडीओ अशोक कुमार ने मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया। यहां निरीक्षण करने पहुंचे बीडीओ ने प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डा रवि कुमार से अस्पताल में सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई सुविधाओं, दवा की उपलब्धता, मरीजों के लिए निर्धारित सुविधाओं की पूरी जानकारी ली। इसके बाद बीडीओ ने स्वयं अस्पताल में मरीजों के

लिए बने वार्ड, प्रसूति वार्ड का निरीक्षण कर उसका वहां उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। बीडीओ ने दवा वितरण केंद्र और अस्पताल भवन का भी जायजा लिया। इस दौरान बीडीओ ने प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी और अन्य स्वास्थ्य कर्मियों को कई आवश्यक दिशा निर्देश भी दिया। इस मौके पर अस्पताल के स्वास्थ्य प्रबंधक नासिर खान समेत कई अन्य चिकित्सक और स्वास्थ्य कर्मी मौजूद थे।

द डिवाइन पब्लिक स्कूल में इंटर हाउस बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन, आईपीएस विकास वैभव ने किया उद्घाटन



नवप्रदेश, बिक्रमगंज: अनुमंडल क्षेत्र स्थित द डिवाइन पब्लिक स्कूल धावा में शनिवार को विद्यालय प्राणज उत्साह और उमंग से भर उठा, जब एकदिवसीय इंटर हाउस बैडमिंटन प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विशेष अवसर पर मुख्य अतिथि आईपीएस विकास वैभव तथा विद्यालय के निदेशक अखिलेश कुमार द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। उद्घाटन के बाद पहला मुकाबला गंगा हाउस और यमुना हाउस के बीच खेला गया, जिसमें खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल कौशल, टीम भावना और अनुशासन का अद्भुत प्रदर्शन किया। दर्शक दीर्घा में मौजूद विद्यार्थियों और अभिभावकों ने भी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर

संबोधित करते हुए आईपीएस विकास वैभव ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि ह्र्दय केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास और व्यक्तिव विकास का सबसे बड़ा माध्यम है।ह्द उन्होंने खेलों के प्रति जागरूकता बढ़ाने और खेल संस्कृति के विकास पर विशेष जोर दिया। विद्यालय के निदेशक अखिलेश कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि द डिवाइन पब्लिक स्कूल हमेशा से छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध रहा है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएँ विद्यार्थियों को प्रतिस्पर्धा की भावना, नेतृत्व क्षमता और सकारात्मक सोच विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

नारायणपुर की युवक रितेश ने किया दहेज मुक्त शादी बना मिशाल



नवप्रदेश, अगिआंव भोजपुर : प्रखंड के नारायणपुर गांव निवासी रेलवे कर्मी अवधेश कुमार सिंह के पुत्र रितेश कुमार ने दहेज मुक्त शादी कर एक मिसाल कायम किया है। यह शादी आम व खास लोगों के बीच मिसाल के साथ-साथ चर्चा का विषय बना हुआ है। रितेश कुमार के पिता ने आदेश सिंह ने बताया कि समाज के दहेज रूपी कलंक को समाप्त करने के लिए हर वर्ग समुदाय के लोगों को एक जुटता के साथ-साथ यह पहल करना होगा। ताकि हमारे समाज में

भेदभाव की भावना समाप्त हो जाए। बता दें कि भोजपुर जिला के नारायणपुर थाना के नारायणपुर गांव निवासी रेलवेकर्मी अवधेश सिंह के पुत्र रितेश कुमार पटना जिले के मनैर थाना अंतर्गत जामुनीपुर गांव निवासी हरश्वर सिंह के पुत्र श्वेता कुमारी से बिना दान दहेज के हिंदू धर्म के रीति रिवाज के अनुसार शादी रचाई है। युवक के चाचा कुंजेश सिंह ने बताया कि यह पुनीत कार्य में सब लोगों को सहयोग करना होगा ताकि एक दहेज मुक्त समाज का संकल्प पूरा हो सके।

शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति रद्द विद्यालय जाने का आदेश जारी

नवप्रदेश, आरा: विधानसभा चुनाव के दौरान निर्वाचन कार्य में लगाए गए शिक्षक शिक्षिका और विद्यालय प्रधानाध्यापकों की प्रतिनियुक्ति रद्द करते हुए संबंधित विद्यालय जाने का आदेश जारी किया गया है। जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय द्वारा पत्रांक 0661 दिनांक 28, 11, 2025 को जारी ज्ञात्रांक के अनुसार सभी प्रतिनियुक्ति शिक्षक शिक्षिका

प्रधानाध्यापक की प्रतिनियुक्ति रद्द करते हुए 24 घंटे के अंदर अपने मूल विद्यालय जाने हेतु आदेश निर्गत किया गया। साथ ही इस संबंध में जिला पदाधिकारी भोजपुर आरा अनुमंडल पदाधिकारी प्रखंड विकास पदाधिकारी निवाचन कोषांग समेत अन्य विभागीय पदाधिकारी को जारी पत्र के माध्यम से समर्पित करते हुए सूचनार्थ भी किया गया।

महोत्सव में दिल्ली झारखण्ड से भी शिरकत करेंगे अतिथि



नवप्रदेश, सासाराम: रोहतास गढ़ किला परिसर में आगामी 6-7 दिसंबर को होने वाले शाहाबाद महोत्सव में बिहार ही नहीं बल्कि दुसरे राज्यों भी कई अतिथि शामिल होंगे। कार्यक्रम ऐतिहासिक हो और अपनी विरासत को सहजते हुए पर्यटन हब बनाने के लिए आयोजित समिति लगातार अभियान चला रहा है। इस सबन्ध में समिति के अध्यक्ष अखिलेश कुमार ने शनिवार को यहां बताया कि शाहाबाद महोत्सव में शामिल होने के लिए विधान परिषद के सभापति अवधेश झारखंड सहित अन्य क्षेत्रों से आदिवासी समुदाय के अनेक प्रमुख लोगों भी आमंत्रित किया गया है और उसका सहमति का इंतजार है। उन्होंने बताया कि बुकि रोहतास गढ़ किला आदिवासी उरांव समुदाय का केंद्र रहा है इसलिए झारखंड सहित अन्य क्षेत्रों से आदिवासी समुदाय के अनेक प्रमुख लोगों भी आमंत्रित किया गया है। साथ ही शाहाबाद के दिल्ली में विभिन्न क्षेत्रों में महती भूमिका निभा रहे अनेक अधिकारी व गणमान्य लोग इस बार शाहाबाद महोत्सव में मौजूद रहेंगे।

आईपीएस अधिकारी और लेट्स इम्पायर बिहार के सूत्रधार विकास वैभव आदि गणमान्य लोगों की सहमति प्राप्त हुआ है। इसके साथ ही शाहाबाद के सभी सम्मानित सांसद, विधायक व विधान परिषद सदस्य को आमंत्रित किया जा रहा है। साथ ही बिहार के राज्यपाल मो आरिफ खान तथा उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को भी आमंत्रित किया गया है और उसका सहमति का इंतजार है। उन्होंने बताया कि बुकि रोहतास गढ़ किला आदिवासी उरांव समुदाय का केंद्र रहा है इसलिए झारखंड सहित अन्य क्षेत्रों से आदिवासी समुदाय के अनेक प्रमुख लोगों भी आमंत्रित किया गया है। साथ ही शाहाबाद के दिल्ली में विभिन्न क्षेत्रों में महती भूमिका निभा रहे अनेक अधिकारी व गणमान्य लोग इस बार शाहाबाद महोत्सव में मौजूद रहेंगे।

अन्तरराष्ट्रीय होमियो से सम्मानित हुए डॉ जितेंद्र कुमार गुप्ता

नवप्रदेश, पटना: थार्डलैंड के बैकॉक शहर में आयोजित एक कार्यक्रम में होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ जितेंद्र कुमार गुप्ता को डार्ल हेल्थ केयर के सीईओ डॉ अरविन्द कुमार द्वारा इंटरनेशनल होमिया रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया। डॉ जितेंद्र कुमार गुप्ता की प्रतिभा, व्यक्तित्व और और ज्ञान के आधार पर कमिटी ने होमिया रत्न 2025 अवार्ड सेरेमनी में सम्मिलित किया गया। समाजसेवी सतीश चंद्र, राजु प्रसाद , रविंद्र कुमार शेखर, रजनी कुमार, कमलेश प्रसाद, कलावती देवी, राज लक्ष्मी देवी,सरयजीत राज, आदि ने



उज्जवल भविष्य की कामना की है। साथ ही साथ आशा व्यक्त किया कि नीमा होम्यो विलंक, छवनी रोड के संचालक डा.जितेंद्र कुमार गुप्ता द्वारा होमियोपैथिक क्षेत्र से लोगों की सेवा आगे भी करते रहेंगे।

संक्षिप्त समाचार

लुव म्यूजियम चोरी के चौथे आरोपी पर मामला दर्ज पेरिस,

फ्रांस की राजधानी पेरिस में मौजूद दुनिया के सबसे बड़े संग्रहालय लुव म्यूजियम में हुई चोरी के मामले में गिरफ्तार किये गये चौथे आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। बीएफएमटीवी ने मामले से संबंधित सूत्रों के हवाले से शुक्रवार को बताया कि गिरफ्तार किये गये शस्त्र पर चोरी में प्रत्यक्ष रूप से शामिल होने का आरोप है। पेरिस के अभियोजक कार्यालय ने मंगलवार को कहा था कि चार आरोपी हिरासत में लिये गये हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार तो इनमें से सिर्फ एक म्यूजियम में घुसने वाले चार-सदस्यीय गिरोह का हिस्सा हो सकता है। बीएफएमटीवी के अनुसार, हिरासत में लिये गये चार लोगों पर सुनिोजित चोरी और अपराध करने की साजिश रचने का आरोप था, लेकिन इनमें से तीन को रिहा कर दिया गय है। जिस चौथे शस्त्र को रिहा नहीं किया गया है, उसकी उम्र 38 साल है। यह इससे पहले दलाली, चोरी के सामान के कब्जे और बिना लइसेंस के गाड़ी चलाने सहित कुल छह मामलों में जेल जा चुका है। उपलब्धता है कि 19 अक्टूबर को कुछ चार पेरिस के लुव म्यूजियम में घुस गये थे, जहां से उन्होंने नेपोलियन और महारानी नाम के 23 आभूषणों के संग्रह से नौ जेवरत चुरा लिये थे। चोरी किये गये जेवरत में मुकुट, झुमके, हार और ब्रॉच शामिल हैं, जो कभी फ्रांसीसी रानियों और महारानियों के थे। चोरी किये गये खामान की कीमत करीब 8.8 करोड़ यूरो (9.11 अरब रुपये) है। फ्रांस के गृह मंत्री लॉरेंट नुनैज ने बताया कि चार चोरी फिर पर लगी सोदी का इस्तेमाल करके लुव संग्रहालय की खिड़की से अंदर घुसे, एंगल ग्रा-इंडर से खिड़की का शीशा काटा और बाद में स्कूटर पर सवार होकर भाग गये। ले पेरिसियन की रिपोर्ट के अनुसार, चोरी चार लोगों के एक गिरोह ने की, जिनमें से दो लोग संग्रहालय में घुसे थे।

कनाडा की जीडीपी तीसरी तिमाही में 0.6 प्रतिशत बढ़ी, आयात में 2022 के बाद सबसे बड़ी गिरावट वाशिंगटन,

वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में कनाडा की वार्षिक जीडीपी 0.6 प्रतिशत बढ़ी। आयात में भारी गिरावट दर्ज की गई, जो 2022 के बाद सबसे बड़ी कमी है। स्टैटिस्टिक्स कनाडा ने शुक्रवार को यह रिपोर्ट जारी की है। रिपोर्ट में कहा गया है, वार्षिक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 2025 की तीसरी तिमाही में 0.6 प्रतिशत बढ़ा, जबकि दूसरी तिमाही में यह 0.5 प्रतिशत गिरा था। तीसरी तिमाही में यह बढ़ोतरी मुख्य रूप से व्यापार संतुलन में सुधार के कारण हुई क्योंकि आयात में भारी गिरावट आई और निर्यात में हल्की बढ़ोतरी दर्ज की गई। रिपोर्ट के अनुसार, आयात में 2.2 प्रतिशत की गिरावट आई, जो चौथी तिमाही 2022 के बाद की यह सबसे बड़ी तिमाही गिरावट है। इसमें कमीया घातुओं और औद्योगिक मशीनों के अभाव में सबसे ज्यादा कमी आई। दूसरी ओर, कनाडा का निर्यात थोड़ा बढ़ा। स्टैटिस्टिक्स कनाडा के अनुसार, माल और सेवाओं का निर्यात तीसरी तिमाही में 0.2 प्रतिशत बढ़ा (दूसरी तिमाही में यह 7.0 प्रतिशत गिरा था)। कच्चे तेल और कूड बिटुमेन के निर्यात में 6.7 प्रतिशत तथा वाणिज्यिक सेवाओं के निर्यात में 1.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। खेती, चांदी और प्लैटिनम ग्रुप धातुओं के निर्यात में कमी से कुल निर्यात वृद्धि पर कुछ असर पड़ा। रिपोर्ट में एक और महत्वपूर्ण बात सामने आई है कि तीसरी तिमाही में सरकार का हथियारों पर खर्च 82 प्रतिशत बढ़ गया। रै-अवसीध संचनाओं में निवेश के साथ फ्लिक्कर पूंजी निवेश में कुल 2.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई। हालाँकि, व्यवस्थाओं द्वारा किया जाने वाला निवेश तीसरी तिमाही में अपरिचित रहा। कनाडा की अर्थव्यवस्था ने तीसरी तिमाही में तकनीकी मंदी से बाहर निकलने का सकेत दिया है, लेकिन यह सुधार पूरी तरह आयात में भारी गिरावट और व्यापार संतुलन पर निर्भर रहा, घरेलू मांग और निजी निवेश अभी भी कमजोर बने हुए हैं।

बांग्लादेश: खालिदा जिया की हालत नाजुक, देशभर में उनके लिए मांगी जा रही दुआएं



ढाका,

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया खीते कुछ दिनों से अस्पताल में भर्ती हैं। देशभर में उनके स्वस्थ होने के लिए दुआएं की जा रही हैं। अस्पताल में उन्हें देखकर लौटे मुख्य सलाहकार मुहम्मद युनुस के कानूनी सलाहकार आसिफ नजरूल ने बताया कि उनकी बिल्कुल भी ठीक नहीं हैं। बांग्लादेशी मीडिया ने जानकारी दी है कि मुहम्मद युनुस ने शुक्रवार रात को कानूनी सलाहकार आसिफ नजरूल और उनके विशेष सहायक मोनिर हैदर को बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) चेयरपर्सन खालिदा जिया की स्वास्थ्य की स्थिति जानने के लिए एयरकेयर अस्पताल भेज था। बीएनपी की मीडिया सेल के सदस्य सफरुल कबीर खान ने बताया कि दोनों ने खालिदा जिया की हालत जानने के लिए अस्पताल के डॉक्टरों से बात की। उन्होंने बीएनपी के सेक्रेटरी जनरल मिर्जा फरखरुल इस्लाम आलमगीर से भी बात की। रात करीब 1 बजे एक फेसबुक पोस्ट में कानूनी सलाहकार ने लिखा, मैं एयरकेयर हॉस्पिटल गया था और अभी लौट रहा हूं। बेगम खालिदा जिया की शारीरिक स्थिति बिल्कुल ठीक नहीं है। कृपया सब लोग उनके लिए दुआ करें। खालिदा जिया को 23 नवंबर को रात को मेडिकल बोर्ड की सलाह पर एयरकेयर हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। इस दौरान जानबूझी सामने आई थी कि उनके दिल और फेफड़ों में इन्फेक्शन हो गया है। उन्हें निमोनिया भी है और अभी वे कोरोनरी केयर यूनिट (सीसीयू) में स्थानीय और विदेशी स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की खस निगरानी में हैं। बीएनपी के महासचिव मिर्जा फरखरुल इस्लाम आलमगीर ने मीडिया को बताया था कि पार्टी प्रमुख की स्वास्थ्य स्थिति अत्यंत चिंताजनक है और डॉक्टर लगातार उनकी निगरानी कर रहे हैं। बीएनपी चौफ के लिए बनाए गए मेडिकल बोर्ड के सदस्य प्रोफेसर डॉ. एफएम सिद्दीकी ने कहा था कि खालिदा को पहले से ही हार्ट से जुड़ी समस्याएं थीं, जिनमें परमानेंट पेसमेकर और फले स्टेंटिंग प्रोसेडर शामिल हैं। उन्हें माइट्रल स्टेनोसिस नाम की एक कंडीशन भी है। सीने में इन्फेक्शन की वजह से उनके दिल और फेफड़ों पर एक ही समय में असर पड़ा, जिससे उन्हें खंस लेने में बहुत दिक्कत हो रही थी। बांग्लादेशी मीडिया के अनुसार उन्हें रविवार रात 8 बजे एयरकेयर हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। वह हॉस्पिटल के स्पेशलिस्ट प्रोफेसर डॉ. शाहबुद्दीन तालुकदार की देखरेख में हैं। हॉस्पिटल ले जाने के तुरंत बाद उनके कई टेस्ट किए गए। बांग्लादेश की पूर्व पीएम खालिदा जिया की उम्र 80 साल है। यह लंबे समय से अर्धशय्या, डायलिसिस, किडनी की दिक्कतों, फेफड़ों की दिक्कतों और कई दूसरी बीमारियों से परेशान हैं। पिछली 7 जनवरी को वह इलाज के लिए लंदन गई थी और 117 दिन रहने के बाद 6 मई को वापस घर लौटी हैं।

वेनेजुएला की विपक्षी नेता मचाडो नोबेल पुरस्कार लेने गईं तो होंगी भगोड़ा घोषित

मचाडो पर षड्यंत्र, घृणा फैलाने और आतंकवाद का लगा है आरोप, छिप के रह रही हैं

वेनेजुएला

नोबेल पुरस्कार विजेता और वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिवा कोरिना मचाडो अगर शांति पु-रस्कार लेने नॉर्वे जाती हैं तो उन्हें भगोड़ा करार दिए जाने का खतरा है।

कोरिना मचाडो को लोकतांत्रिक अधिकारों को बढ़ावा देने के लिए पिछले महीने नोबेल शांति पुरस्कार देने की घोषणा की गई थी। वेनेजुएला में मचाडो के खिलाफ आतंकवाद से जुड़े आरोपों समेत कई आपराधिक मामले दर्ज होने से उन्हें व्यक्तिगत रूप से पुरस्कार लेने जाने से मना करना पड़ सकता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 58 साल की कोरिना मचाडो कथित तौर पर देश में छिपी हैं। वेनेजुएला की इस राजनीतिज्ञ ने पिछले सप्ताह 10 दिसंबर के समारोह के लिए नॉर्वे के शहर ओस्लो की यात्रा करने की इच्छा जताई थी। हालांकि एक रिपोर्ट के मुताबिक वेनेजुएला



के अर्दोनी जनरल तारेक विलियम साथ ने चेतावनी दी है कि वह कई आपराधिक मामलों का सामना कर रही हैं और यदि वह शांति पुरस्कार लेने विदेश जाती हैं तो उन्हें भगोड़ा घोषित किया जाएगा। विलियम खंब की इस राजनीतिज्ञ ने पिछले सप्ताह 10 दिसंबर के समारोह के लिए नॉर्वे के शहर ओस्लो की यात्रा करने की इच्छा जताई थी। हालांकि एक रिपोर्ट के मुताबिक वेनेजुएला

कृत्यों का आरोप है। रिपोर्ट के मुताबिक अगस्त 2024 से मचाडो छिपी हुई हैं। उस समय मादुरो ने खुद को तीसरे कार्यकाल के लिए फिर से निर्वाचित घोषित करने के बाद विरोधियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की थी। रिपोर्ट के मुताबिक मचाडो ने पिछले महीने एक साक्षात्कार में कहा था कि निकोलस मादुरो ने मुझ पर आतंकवाद का आरोप लगाया था और उन्हें छिपना पड़ा था। उन्होंने

कहा कि उनके ज्यादातर सहयोगियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। बचे हुए छिप गए या निर्वासन में चले गए हैं। उन्होंने कहा कि करीब 15 महीने से वह एकांतवास में हैं और उन्हें इस बात का अहसास है कि अगर वे उन्हें ढूंढ भी लेंगे तो उन्हें मारब कर ही देंगे। विशेषकों का मानना है कि अपनी जान और आजादी को जोखिम में डाले बिना, मचाडो शायद देश के अंदर रहकर ही नोबेल पुरस्कार कर सकेंगी। यह सवाल इस समय वेनेजुएला की राजनीति और अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार आंदोलनों के केंद्र में है। कोरिना मचाडो का नॉर्वे जाने का फैसला उनके राजनीतिक करियर और वेनेजुएला में लोकतंत्र की लड़ाई के लिए अत्यंत जोखिम भरा और अहम कदम होगा। रिपोर्ट के मुताबिक मचाडो वेनेजुएला से ही वर्चुअली वा चींटियों संदेश के जरिए पुरस्कार स्वीकार कर सकती हैं। इससे वह अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा तब कर पाएंगी और देश के अंदर रहकर विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व जारी रख सकेंगी। वह अपने

खिलाफ दर्ज आपराधिक मामलों का सामना वेनेजुएला की कोर्ट में कर सकती हैं। सरकार उन पर कानूनी दबाव बनाए रखेगी, लेकिन देश के अंदर उनकी उपस्थिति विरोधियों को जुटाए रखने में मदद करेगी। हालाँकि उनके ना जाने के फैसले से नोबेल समिति वा समर्थकों को निराशा हो सकती है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि कैरिबियन सागर और उसके आसपास के क्षेत्रों में अमेरिकी सैन्य कलों की तैनाती का समर्थन करने के लिए भी कोरिना मचाडो की जांच चल रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया के सबसे बड़े विमानवाहक पोत, दुधपोतों और लड़ाकू विमानों को तैनात किया है, जिसे वाशिंगटन राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के वेनेजुएला शासन के खिलाफ एक मादक पदार्थ-विरोधी अभियान बताया रहा है हालाँकि, मादुरो का दावा है कि ट्रंप का कदम कमधंधी सरकार को गिराने के लिए है। बता दें वेनेजुएला 2015 से ही अमेरिकी प्रतिबंधों का सामना कर रहा है।

मुझे या मेरी बीवी बुशरा को कुछ हुआ तो उसके जिम्मेदार आसिम मुनीर होंगे

एक साल पहले इमरान खान ने अखबार के जरिए कही थी यह बात

इस्लामाबाद

पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान को लेकर अटकलों का दौर जारी है। इमरान की मौत की अफवाहों के बीच जेल प्रशासन ने उनके सलामत होने की बात कही है।



इमरान खान के स्वास्थ्य के बारे में सुचित कर दिया गया है। इमरान खान को जेल में सभी जरूरी सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। जेल अधिकारियों ने बताया कि इमरान खान पूरी तरह से स्वस्थ हैं। उनके स्वास्थ्य स्थिति के बारे में किए जा रहे दावों में कोई सच्चाई नहीं है। अदिलाला जेल प्रशासन ने स्पष्ट कहा कि इमरान खान को अदिलाला जेल से स्थानांतरित करने की खबरें

भी निराधार हैं। एक अखबार के जरिए इमरान खान ने मुनीर पर सवाल उठाए थे। 2 मई 2024 में प्रकाशित लेख के मुताबिक सेना ने यो सचकुल किया जो वो कर सकते हैं। अब सिर्फ मेरी हत्या करना बाकी है। मैंने सार्वजनिक रूप से कहा है कि मुझे या मेरी बीवी को कुछ होता है, जो जनरल आसिम मुनीर उसके जिम्मेदार होंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस साल जुलाई में इमरान

ने लिखा था, हाल के दिनों में, जेल में मेरे साथ होने वाला कठोर व्यवहार और बड़ गया है।

बही खैया मेरी पत्नी बुशरा बीबी के खिलाफ भी अपनाया जा रहा है। यहां तक कि उनकी कोठरी का टीवी भी बंद कर दिया गया है।

हम दोनों के सभी बुनियादी अधिकार चाहे वे मानवीय हों वा कैदियों को दी हों कानूनी निर्वाचित कर दिए गए हैं। इमरान खान के छोटे बेटे कासिम खान ने कहा कि उनके पिता को गिरफ्तार हुए 845 दिन हो गए हैं। खैते 6 हफ्तों से उन्हें पार-दर्शिता के बारे में डेथ सेल में अकेला रखा गया है। उनकी बहनों को मिलने नहीं दिया जा रहा। जबकि, कोर्ट के आदेश में अनुमति की बात कही गई है। कोई फोन कॉल नहीं, कोई मॉनिटर नहीं और जीवित होने का कोई संवत नहीं है।

नेशनल गार्ड पर हमले के बाद अमेरिका ने अफगानियों के प्रवेश पर लगाई रोक

वाशिंगटन,

अमेरिकी विदेश विभाग ने अचानक ऐलान किया कि अफगान पासपोर्ट धारकों को सभी तरह के वीजा जारी करना तत्काल प्रभाव से रोक दिया गया है।

नाए अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर खुद इसकी पुष्टि की और लिखा, हमारे देश और हमारे लोगों की सुरक्षा से बड़ी कोई प्राथमिकता नहीं है। वह कड़ा कदम बुधवार को वाशिंगटन छोड़ी में हुए जानलेवा हमले के फौरन बाद लिया गया, जिसमें एक नेशनल गार्ड सैनिक की मौत हो गई और दूसरा गंभीर रूप से घायल है। हमलावर की पहचान 31 वर्षीय अफगान नागरिक रहमातुल्लाह लाकनवाल के रूप में हुई है। लाकनवाल 2021 में बाइडन प्रशासन के अफगान अलाइड कार्यक्रम के तहत अमेरिका लाया गया था। सीआईए ने पुष्टि की है कि उसने अफगानिस्तान में अमेरिकी खुफिया एजेंसी के लिए काम किया था। हमले के बाद लाकनवाल पर फर्स्ट डिग्री मर्डर के साथ-साथ हथियारबंद हमले के दो अन्य गंभीर आरोप लगाए गए हैं। अलाह से अमेरिकी नागरिकता एवं अप्रजन सेवा (यूएससीआईए) के निदेशक जोसेफ एडलो ने



घोषणा की कि अब हर शरण अर्पेदन पर फैसला तब तक रोका जाएगा, जब तक अधिकतम स्तर की जांच और स्क्रीनिंग पूरी नहीं हो जाती। इसका मतलब है कि फिलहाल कोई भी नया शरणार्थी अमेरिका में कानूनी दर्जा नहीं पा सकेगा। ट्रंप प्रशासन के अने के मात्र दस दिन के अंदर यह इमिग्रेशन नीति पर सबसे सख्त कार-रवाई मानी जा रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि 2021 में आए करीब 76,000 अफगान शरणार्थियों की दोबारा जांच का रास्ता भी इससे खुल गया है। अमेरिकी अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि अफगान पासपोर्ट पर यह प्रतिबंध तब तक जारी रहेगा, जब तक नई खोज स्क्रीनिंग प्रक्रिया पूरी नहीं हो जाती। फिलहाल अफगान नागरिकों के लिए अमेरिका आने का एकमात्र रास्ता लगभग बंद हो चुका है।

यूएन रिपोर्ट: में जकार्ता बनी दुनिया का सबसे बड़ा शहर, एशिया में तेजी से हो रहा शहरीकरण

न्यूयॉर्क

संयुक्त राष्ट्र की ताजा रिपोर्ट वर्ल्ड अर्बनाइजेशन प्रॉस्पेक्ट्स 2025 ने वैश्विक शहरीकरण की नई तस्वीर पेश की है।

दुनिया की 8.2 अरब आबादी का 45 प्रतिशत, कानी लगभग 3.7 अरब लोग, अब शहरों में रहते हैं जो 1950 के 20 प्रतिशत से दोगुना से अधिक है। मेगासिटीज (1 करोड़ से अधिक आबादी वाले शहरों) की संख्या 1975 के 8 से बढ़कर 2025 में 33 हो गई है, जिनमें से 19 एशिया में हैं। इस रिपोर्ट में नई डिग्री अर्बनाइजेशन विधि अपनाई गई है, जो भौगोलिक डेटा (जैसे स्लाबल ह्यूमन सेटलमेंट पैर-एशिया) पर आधारित है। यह घनी बस्तियों (1,500 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी से

अधिक) को मापती है, जिससे आंकड़े अधिक तुलनीय बने। पुरानी विधियों में टोक्यो शीर्ष पर था, लेकिन नई विधि ने इंडोनेशिया की जकार्ता को दुनिया का सबसे बड़ा शहर घोषित किया। 2025 की टॉप-10 सबसे बड़ी शहरों समूहों (अर्बन एग्लोमेरेशन्स) की सूची एशिया-पैसिफिक है। पहले स्थान पर जकार्ता है, जहां 41.9 मिलियन (लगभग 4.19 करोड़) लोग रहते हैं। दूसरे नंबर पर बांग्लादेश की ढाका 36.6 मिलियन (3.66 करोड़) के साथ। जापान का टोक्यो, जो दशकों से नंबर वन था, अब तीसरे स्थान पर खिसक गया है — 33.4 मिलियन (3.34 करोड़) आबादी के साथ। भारत की दिल्ली चौथे स्थान पर है (30.2 मिलियन) या 3.02 करोड़), उसके बाद चीन का शंघाई (29.6 मिलियन), ग्वांगज़ो



(27.6 मिलियन), फिलीपींस का मनीला (24.7 मिलियन), कोलकाता (22.5 मिलियन), सियोल (22.5 मिलियन) और मिन्न का काहिरा (23 मिलियन)। टॉप-10 में एशिया के 9 शहर हैं; काहिरा एकमात्र पैर-एशिया)। ब्राजील का साओ पाउलो (18.9 मिलियन) दक्षिण अमेरिका का

सबसे बड़ा है, जबकि नाइजीरिया का लघोस सब-सहारा अफ्रीका का। शहरों का इतिहास मानव सभ्यता का आईना है। लगभग 9000 वर्ष पूर्व कृषि क्रांति ने शहरों को जन्म दिया। 7000 ईसा पूर्व में फिलिस्तीन का जेरिको (1000-2000 लोग) फलत बढ़ा शहर था। 3100 ईसा पूर्व से मिन्न का मेमिफिस



ऑस्ट्रेलियाई पीएम अल्वनीज ने की शादी, बनाया अनोखा रिकॉर्ड केनबरा,

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्वनीज ने जोड़ी हेडन से शादी की। इसकी तस्दीक उन्होंने खुद सोशल मीडिया पोस्ट के द्वारा कर दी। दोनों कई साल से संबंध में थे।

इस घोषणा ने एक और ऐतिहासिक पहलु पर भी मुहर लगा दी, यह पहली बार है जब किसी मौजूदा ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री ने अपने कार्यकाल के दौरान विवाह किया है। कपल पहली बार पांच साल पहले मेलबर्न में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में मिला था। अल्वनीज ने एक्स पर अंगूठी वाली इमोजी के साथ लिखा, मैरिड! रिपोटर्स के अनुसार, विवाह में केवल परिवार और कुछ करीबी मित्र शामिल थे, जिसमें अल्वनीज का बेटा नाथन और हेडन के माता-पिता बिल और पॉलीन थे। शादी

के बाद दोनों ने साझा बयान जारी किया। कहा, हम अपने परिवार और करीबी दोस्तों के बीच, अपनी आने वाली जिंदगी साथ बिताने का संकल्प ले काफी प्रसन्न हैं। इस जोड़े की शादी एनए-डब्ल्यू सेंट्रल कोस्ट के एक सेलिब्रेंट ने करवाई और उन्होंने अपनी कसमें खुद लिखीं। हेडन को उनके माता-पिता ने येन फोल्डस के गाने द हफिकिएस्ट पर शादी की लाइन में ले जाया।

एबीसी.नेट.ए्यू ने बताया कि परंपराानुसार हेडन को पांच साल की भातीजी एला फुल लेकर पहुंची जबकि प्रधानमंत्री का पेट टोटो अंगूठी लेकर विवाह स्थल तक पहुंचा। केनबरा के एक नामी रेस्त्रां में डिनर के बाद अल्वनीज ने फरवरी 2024 में वैलेंटाइन डे पर लॉज की बालकनी में हेडन को प्रपोज किया था। उन्होंने इस मौके के लिए एक खास अंगूठी डिजाइन कराई थी।